हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-252, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, मंगलवार 25 फरवरी 2025

सुनते ही दौड़े चले आये मोहन...कृष्ण ...02

आमझर पंचायत के मुखिया ने शराब के नशे में तीसरा...06

कॉफी डे एंटरप्राइजेज के खिलाफ फिर शुरू हुई दिवालिया कार्यवाही

सेंसेक्स 856 अंक गिरकर 74,454 पर बंद

सोना महंगा हुआ, चांदी के दाम में गिरावट

संक्षिप्त समाचार

मानहानि मामले में राहुल गांधी के खिलाफ छह मार्च तक स्थगित हुई सुनवाई

सुलतानपुर, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुलतानपुर की विशेष एमपी,एमएलए अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई वादी के वकील द्वारा हाजिरी माफी की अर्जी दिये जाने के कारण आगामी छह मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि 11 फरवरी को सुनवाई की पिछली तारीख में शिकायतकर्ता से जिरह की गई थी। जिरह पूरी होने के बाद 24 फरवरी की तारीख तय की गई थी लेकिन चूंकि शिकायतकर्ता के वकील संतोष कुमार पांडे हाजिरी माफी मांगते हुए आज अदालत में पेश नहीं हुए इसलिए न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख छह मार्च तय की है। यह मामला साल 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के बारे में गांधी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज के रहने वाले मिश्रा ने 2018 में दर्ज कराये गये मामले में आरोप लगाया था कि गांधी ने वर्ष 2018 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी।

जीप और बस की भिडंत में छह लोगों की मौत, दो लोग घायल

जबलपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के सिहोरा में आज एक जीप और बस की भिडंत में छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले सिहोरा के खितौला थाना क्षेत्र के पहरेवा इलाके में सुबह लगभग चार बजे उत्तरप्रदेश के प्रयागराज से जबलपुर की तरफ जा रही एक जीप अनियंत्रित होकर रोड डिवाडर को तोड़ते हुए एक बस से टकरा गई। बस जबलपुर से कटनी तरफ जा रही थी।

महाकुंभ पर टिप्पणी को लेकर भड़के सीएम योगी, बोले

गिद्धों को लाशें नजर आती हैं सनातन की सुंदरता नहीं

लखनऊ, एजेंसी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर टिप्पणी करने पर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महाकुंभ में अव्यवस्था और भगदड़ के मुद्दे पर जवाब देते हुए कहा कि समाजवादियों और वामपंथियों को सनातन की सुंदरता रास नहीं आ रही है। उन्होंने एक सोशल मीडिया टिप्पणी के माध्यम से विपक्ष को जवाब देते हुए कहा कि महाकुंभ में जिसने जो तलाशा उसे वो मिला। गिद्धों को केवल लाश मिली। सुअरों को गंदगी मिली। संवेदनशील लोगों को रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर मिली। आस्थावानों को पुण्य मिला। गरीबों को रोजगार मिला। अमीरों को धंधा मिला। श्रद्धालुओं को साफसुथरी व्यवस्था मिली। पर्यटकों को अव्यवस्था मिली। सद्भावना वाले लोगों को जातिरहित व्यवस्था मिली। एक ही स्थान पर सभी जाति के लोगों ने स्नान किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर किए जाने वाले प्रश्न समाजवादियों और वामपंथियों की नीयत को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्थाओं को मैंने खुद देखा है। सपा सरकार में हुए कुंभ में एक गैर सनातनी को कुंभ का प्रभारी बना दिया गया था क्योंकि तब के मुख्यमंत्री के पास इसके लिए समय नहीं था। मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा नेताओं के व्यवहार को लेकर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि ये लोग संविधान की बात करते हैं। लोकतंत्र की बात करते हैं और महापुरुषों के सम्मान की बात करते हैं लेकिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा के लोगों का जो आचरण था वो बताता है कि वो संविधान के बारे में क्या सोचते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन के आयोजनों से यूपी को नई पहचान मिली है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है। प्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। यही कारण है कि लाखों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं। हम लोगों ने अब तक 16 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा है जिससे कि 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

28 फरवरी तक संपत्ति का ब्योरा न देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा मार्च में वेतन, दिया गया आदेश

लखनऊ। यूपी के उन राज्य कर्मचारियों को फरवरी के वेतन का भुगतान मार्च में नहीं किया जाएगा जिन्होंने अपनी संपत्ति का विवरण मानव संपदा पार्टल में नहीं दिया है। यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से 28 फरवरी तक अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दे देना है। प्रदेश में जिन भी कर्मचारियों ने यह ब्योरा नहीं दिया है उनका फरवरी माह का वेतन रोक दिया जाएगा। मालूम हो कि सभी कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2024 को ही अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा देना था। इसके बाद संपत्ति का ब्योरा देने की यह तिथि बार-बार बढ़ाई जाती रही है।

विधानसभा में बवाल, सदन की कार्यवाही स्थगित

➲ स्पीकर बोले, क्या हुआ अपमान, मैं मंगवाऊंगा माफी

➲ नेताजी का नाम आते ही तमतमाए सपाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के दौरान पक्ष-विपक्ष के नेताओं के बीच चर्चा चल रही है।आज सोमवार को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के बयान पर समाजवादी पार्टी के विधायकों ने जोरदार हंगामा कर दिया। स्थिति बिगड़ गई और सदन स्थगित करना पड़ा। सदन की कार्यवाही के दौरान बृजेश पाठक ने दिवंगत नेता मुलायम सिंह यादव के एक दिए गए बयान का जिक्र कर दिया, जिससे हंगामा शुरू हो गया। सपा विधायकों को बवाल बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना विपक्ष के सदस्यों को समझाने की कोशिश करते रहे हैं। सपाई विधायकों ने वेल में जाकर विरोध किया। सपा विधायक समरपाल सिंह के एक सवाल पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पूछा,नेताजी का सम्मान तो बहुत किया। सपा वाले नेताजी की हर बात मानते हो। क्या वह बात भी मानेंगे। लड़कों से गलती हो जाती है। इसके बाद विधानसभा में सपा विधायकों ने जोरदार हंगामा किया। सतीश महाना ने मामले को शांत कराने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हर बात को निगेटिव मत लीजिए। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय खड़े हो गए।उन्होंने कहा,नेताजी सम्मानित व्यक्ति रहे हैं। उनके लिए इस तरह की बात नहीं की जानी चाहिए।

मोदीजी ने असम में लगा रखा है जुमलों का कारखाना: खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि असम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के रूप में जुमले का कारखाना लगा रखा है, जहां सिर्फ झूठ बोला जाता है और जुमले गढ़े जाते हैं। उन्होंने कहा कि श्री विश्व शर्मा सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री है और उनके झूठ तथा भ्रष्टाचार से असम की जनता में गहरा गुस्सा है और हालात यह हो गए हैं कि अब श्री मोदी के जुमले भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं कर पा रहे हैं। अब साफ है कि पूर्वोत्तर में बदलाव तय हो गया है। श्री खरगे ने एक्स पर कहा, असम में मोदी जी ने जुमलों का कारखाना लगाया है, जिसके कर्ता-धर्ता भाजपा के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। हाल ही में असम में कांग्रेस के नेताओं पर दोनों तरह से - राजनीतिक और शारीरिक रूप से हमले किये गए हैं। इन हमलों का जवाब जनता एक वर्ष बाद कांग्रेस की सरकार बनवा कर देगी। उन्होंने कहा, असम राज्य, भाजपा के भू-माफ़िया द्वारा भ्रष्टाचार, नफ़रत और कुशासन का परिणाम झेल रहा है।

मध्यप्रदेश में अडानी समूह एक लाख दस हजार करोड़ रुपयों का करेगा निवेश

भोपाल, एजेंसी। देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी ने आज कहा कि उनके समूह ने मध्यप्रदेश में 50 हजार करोड़ रुपयों का निवेश पहले ही किया है और अब आने वाले समय में एक लाख दस हजार करोड़ रुपयों का निवेश और किया जाएगा। राजधानी भोपाल में आज से प्रारंभ हुए दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन सत्र के दौरान श्री अडानी ने कहा कि उनके समूह ने 50 हजार करोड़ रुपयों का निवेश पहले ही किया है। अब एक लाख दस हजार करोड़ रुपयों का निवेश और किया जाएगा, जो विभिन्न क्षेत्रों में होगा। उन्होंने कहा कि इससे लगभग एक लाख 20 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना रहेगी। श्री अडानी ने कहा कि इसके अलावा आने वाले समय में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की और संभावनाएं तलाशी जाएंगी। उन्होंने कहा कि वे यह सब निवेश आगामी पांच छह वर्षों में करना चाहते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की कार्य प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दिनों पूरे देश में निवेश के लिए बेहतर संभावनाएं और वातावरण हैं।

भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों, टेक्सटाइल टूरिज्म और टेक्नोलॉजी की बड़ी भूमिका: मोदी

भोपाल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इस बात पर जोर दिया कि भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों, टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। श्री मोदी राजधानी भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समेत देश-विदेश के कई ख्यातिप्राप्त उद्योगपति और कई देशों के राजदूत समारोह में उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। भारत का टेक्सटाइल क्षेत्र करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। मध्यप्रदेश तो एक प्रकार से भारत की कॉटन कैपिटल है। भारत की करीब 25 फीसदी ऑर्गेनिक कॉटन आपूर्ति मध्यप्रदेश से ही होती है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मलबरी सिल्क का भी देश का सबसे बड़ा निर्माता है। यहां का चंदेरी और महेश्वर विश्वप्रसिद्ध हैं। इनमें निवेश निवेशकों को वैश्विक पहचान देगा। सरकार मेडिकल टेक्सटाइल और जियो टेक्सटाइल को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पर्यटन में भी नए आयाम जोड़ रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन का एक कैंपेन था, एमपी अजब है, सबसे गजब है। राज्य में नर्मदा के आसपास आदिवासी पर्यटन का विकास हुआ है। यहां कई नेशनल पार्क हैं, हेल्थ और वेलनेस में भी निवेश की संभावना है। यहां प्राइवेट-पब्लिक पार्टनरशिप को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी आशावादी है।

दिल्ली आ रही अमेरिकी फ्लाइट में बम की धमकी फर्जी

रोम डायवर्ट हुई थी फ्लाइट, कल दिल्ली के लिए रवाना होगी, 214 लोग सवार थे

रोम, एजेंसी। न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में बम होने की धमकी फर्जी निकली। रविवार को फ्लाइट 292 में बम की खबर मिलने के बाद उसे रोम की ओर डायवर्ट कर दिया गया था। फ्लाइट में 199 यात्री और 15 क्रू मेंबर मौजूद थे। रविवार को जांच के बाद उसे फिर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई। हालांकि, अभी फ्लाइट दिल्ली नहीं आएगी। एक दिन और उसे रोम के फ्यूमिसीनो एयरपोर्ट पर रोका जाएगा। दरअसल, एयरलाइंस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट के प्रोटोकॉल के मुताबिक उसे लैंड करने से पहले कहीं और जांच की जानी जरूरी है। फ्लाइट ने 22 फरवरी को न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। कैस्पियन सागर पार करने के बाद इसे अचानक रास्ता बदलकर यूरोप की ओर लौटाया गया। बयान में कहा कि चालक दल के सिक्योरिटी इश्यू की सूचना देने पर रविवार, 23 फरवरी को स्थानीय समयानुसार शाम 5:30 बजे रोम एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियोज में इतालवी वायु सेना के विमान फ्लाइट को एस्कॉर्ट करते दिख रहे हैं। अक्टूबर-नवंबर, 2024 में देश में हफ्तों तक फ्लाइट्स में बम होने की धमकी मिली थीं। इस दौरान 500 से ज्यादा फ्लाइट्स में ऐसी धमकी मिली थी। इसके बाद नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी (एनआईए) ने इंटरनेशनल एयपोर्ट्स पर अपनी साइबर विंग के अफसरों को तैनात किया था।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी: मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महिलाओं के प्रभुत्व वाले संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों की हिंसा कम करने और दीर्घकालिक शांति समझौतों में प्रभावशाली भूमिका का उल्लेख करते हुए इन मिशनों में महिलाओं को अधिक से अधिक शामिल करने को कहा है। ग्लोबल साउथ देशों की महिला शांति सैनिकों के सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के एक समूह ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि शांति मिशन में महिलाओं की मौजूदगी इसे और अधिक विविधतापूर्ण तथा समावेशी बनाती हैं। महिला शांति सैनिकों की अक्सर स्थानीय समुदायों तक बेहतर पहुंच होती है और वे महिलाओं और बच्चों के लिए रोल मॉडल के रूप में काम कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं लिंग आधारित हिंसा के समाधान, विश्वास और संवाद को बढ़ावा देने में ज्यादा सक्षम हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जिन शांति मिशनों में महिलाओं की संख्या अधिक होती है वे हिंसा को कम करने और दीर्घकालिक शांति समझौते हासिल करने में अधिक प्रभावी रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिक महिलाओं को शामिल करें। राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में योगदान के भारत के गौरवशाली इतिहास को याद किया। भारत के 2 लाख 90 हजार से अधिक शांति सैनिकों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सेवा की है। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए 9 सक्रिय मिशनों में 5000 से अधिक भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं जो अक्सर प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि भारतीय महिला शांति सैनिक कर्तव्य पूरा करने में सबसे आगे रही हैं।

विपक्ष का रवैया निंदनीय: विजेंद्र

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के नवनियुक्त अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि सदन की कार्यवाही के पहले दिन विपक्ष ने जिस प्रकार का रवैया अपनाया है, उसकी वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। श्री गुप्ता के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बधाई प्रस्ताव में कहा कि उन्होंने दिल्ली की सेवा में अपना जीवन बिताया। उनके अनुभव, ज्ञान और सामाजिक जीवन के अनुभव से सदन को लाभ मिलेगा। सबको नियमों का पालन कराते हुए सदन को चलायेंगे, ऐसी हमारी अपेक्षा है। नेता विपक्ष आतिशी ने सभी साथियों की ओर अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री गुप्ता को बधाई दी। उन्होंने बधाई देने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से भीम राव अंबेडकर और शहीद ए आजम भगत सिंह की तस्वीर हटाकर सरकार ने दलितों और सिखों का अपमान किया।

भारत का प्रौद्योगिकी क्षेत्र पांच वर्ष में 350 अरब डालर पहुंचने की उम्मीद: राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ रहा है और अगले पांच वर्षों में इसके 300 से 350 अरब डालर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्री सिंह ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 16 वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा, भारत का प्रौद्योगिकी सेक्टर बढ़ रहा है और अगले पांच वर्षों में इसके 300-350 अमेरिकी बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सवा लाख से अधिक स्टार्ट-अप और 110 यूनिकॉर्न के साथ, हमारा देश दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बन रहा है। उन्होंने छात्रों को विकास और अवसर के इस दौर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे न केवल भारत की प्रौद्योगिकी प्रगति में योगदान दें, बल्कि अनुसंधान और विकास के प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर नेतृत्व भी करें। श्री सिंह ने प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में नवाचार और ज्ञान सृजन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उद्यमशीलता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व का भी उल्लेख किया। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डिजिटल प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ सकेगा। उन्होंने भारत की तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति को आकार देने में संस्थान के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने में आईआईटी मंडी की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में भारत की बढ़ती प्रमुखता पर जोर दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में श्री सिंह ने आईआईटी मंडी से रक्षा-संबंधी प्रौद्योगिकियों में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया।

असम को लूट रहे हैं विश्व शर्मा, उनके भ्रष्टाचार पर संज्ञान लें मोदी: कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा तथा उनके परिवार के लोगों पर ज़मीन, खनन, चाय बागान जैसे क्षेत्रों में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर अपना अलग आर्थिक साम्राज्य चला रहे हैं और उनके इस भ्रष्टाचार की जानकारी सबको है, इसलिए असम की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस संबंध में उनसे सवाल पूछने चाहिए। असम कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई, संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया, किपार्टी के लोकसभा सदस्य पक्कीबुल हुसैन तथा प्रद्युत बोरदोलोई ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया की श्री शर्मा तथा उनके परिवार की लोग असम में हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार कर रहे हैं और राज्य की संपदा को लूट कर अपना निजी आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं इसलिए श्री मोदी को इसका संज्ञान लेना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा क्या यह सवाल प्रधानमंत्री मोदी जी असम के मुख्यमंत्री विश्व शर्मा जी से पूछेंगे। आखिर श्री मोदी ने असम के मुख्यमंत्री को ऐसा कौन सा जादू का चिराग पकड़ा दिया, जो श्री विश्व शर्मा बिजनेस टायकून बन गए।

असम में चल रहा है जंगल राज: भूपेन कुमार बोराह

नयी दिल्ली, एजेंसी। असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह तथा राज्य के धुबरी से पार्टी के लोकसभा सदस्य रकीबुल हुसैन ने सोमवार को कहा कि उन पर अपराधी तत्वों ने हमला किया है, लेकिन असम सरकार उन्हें सुरक्षा नहीं दे रही है और ना ही हमलावरों को पकड़ पा रही है। बोराह तथा हुसैन ने रविवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप लगाते हुए कहा कि वह राज्य सरकार से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। बोराह ने कहा, ÷असम के हालात आप बहुत खराब हो गए हैं। कुछ दिनों पहले मेरे ऊपर हमला हुआ था।

कोलकाता में 3 लाश मिली, नसें कटीं, गर्दन पर घाव

पुलिस बोली- पतियों ने खबर दी, हमें इन्हीं पर शक, बचने के लिए अपना एक्सीडेंट करवाया

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में 19 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। तीनों की मौत पुलिस के लिए मिस्ट्री बनी हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला बता रही है और उसी आधार पर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जिस दिन तीनों की लाश मिली, उसी दिन दोनों महिलाओं के पतियों की कार का एक्सीडेंट हुआ। एक्सीडेंट में 3 लोग घायल हुए। फिलहाल तीनों अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें दोनों मृत महिलाओं के पति प्रणय डे और प्रसून डे शामिल हैं। रिश्ते में दोनों भाई हैं। पुलिस को शक है कि दोनों भाइयों ने ही अपनी पत्नियों का मर्डर किया है। एक्सीडेंट से पहले इन्ही लोगों ने महिलाओं की मौत की जानकारी पुलिस को दी थी। भारी कर्ज के बावजूद आलीशान जिंदगी जी रहा था परिवार पुलिस का कहना है कि डे परिवार चमड़े का कारोबार करता है। उस पर भारी कर्ज था। परिवार आर्थिक तंगी के बावजूद आलीशान जिंदगी जी रहा था।

यूएसएआईडी फंडिंग पर घमासान जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी की ओर से भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए की गई कथित फंडिंग से उठा राजनीतिक तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस और बीजेपी लगातार एक दूसरे पर हमलावर है। कांग्रेस ने इसे देश को गुमराह करने के लिए एक और जुमला बताया, जबकि बीजेपी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर देश के खिलाफ साजिश रचने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया। ताजा लड़ाई सोमवार सुबह तब शुरू हुई जब कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट एक्स पर साझा की।

सुनते ही दौड़े चले आये मोहन...कृष्ण सुदामा मिलन की कथा में डबडबा गईं आंखें

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। बीघापुर के गोदावलेश्वर धाम में श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन श्री श्री विज्ञानानंद सरस्वती जी महाराज ने पहले दिन से छठे दिन तक की कथा का सारांश बताते हुए सभी को कथा का पुण्य लाभ प्रदान कराया। महाराजश्री ने कृष्ण सुदामा मिलन को बड़े ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया तो हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं की आंखे नम हो गयीं। सुदामा, अपनी पत्नी के आग्रह पर श्री कृष्ण से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। सुदामा, श्री कृष्ण के महल के सामने आकर खड़े सैनिकों से श्री कृष्ण से मिलने के लिए कहते हैं। सैनिक सुदामा से पूछते हैं कि आप किस काम से आए हैं।सुदामा बताते हैं कि मैं श्री कृष्ण का बाल सखा हूँ और उनसे मिलने के लिए आया हूँ। सुदामा की लटी फटी दशा देख द्वारपाल उनकी बात का विश्वास नहीं करते हैं और उन्हें महल के अंदर नहीं जाने देते हैं।सुदामा का नाम सुनकर श्री कृष्ण नंगे पैर दोड़ते हुए अपने बचपन के दोस्त से मिलने जाते हैं। श्री कृष्ण सुदामा को अपने गले लगा लेते हैं और दोनों एक-दूसरे से मिलकर खुशी में रो पड़ते हैं। श्री कृष्ण सुदामा को अपने साथ अपने महल में ले जाते हैं और उनका बड़े मन से आदर सत्कार करते हैं। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के महामंडलेश्वर स्वामी अनंतानंद सरस्वती जी महाराज ने व्यास पीठ पर पधार कर अपने व्याख्यान में श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य का वर्णन किया वहीं राष्ट्रीय व्याख्याता आलोक दीक्षित ने गुरु वंदन किया। पूर्व विधान सभा अध्यक्ष ह्रदय नारायण दीक्षित और जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शशांक शेखर सिंह सनी ने व्यासपीठ से आशीर्वाद लेकर उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। संतों और विशिष्ट अतिथियों को विज्ञानानंद जी ने प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य यजमान अनिल बाजपेई, अलका बाजपेई, सप्तम दिवस यजमान शिव शंकर बाजपेई व पार्वती बाजपेई, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुधीर बाजपेई सहधर्मिणी अंजू बाजपेई, नवल किशोर त्रिपाठी, सूर्या त्रिपाठी, दिलीप बाजपेई, पूजा बाजपेई, नीरू त्रिपाठी, वीरेंद्र बाजपेई, अरुण बाजपेई, मयंक बाजपेई, साधना बाजपेई, आदित्य त्रिपाठी, रोशनी त्रिपाठी, मनी बाजपेई आदि ने व्यासपीठ से और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंच के सामने से आरती पूजन में भाग लिया। भक्ति संगम एवम सेवा संस्थान के डॉ मनीष सिंह सेंगर, अभिषेक शुक्ला, राहुल कश्यप व बनारस से पधारे आचार्य उदित नारायण त्रिवेदी ने समन्वयन किया।

कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ व दिव्यांग महागठबंध के पदाधिकारियों की समस्याओं को लेकर दिव्यांगजन सशक्तिकरण के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों व संगठन पदाधिकारियों के साथ की बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ व दिव्यांग महागठबंध के पदाधिकारियों द्वारा लखनऊ विधानसभा में महामहिम राज्यपाल के निर्देश पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिव्यांगजन सशक्तिकरण के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने तमाम विभाग के अधिकारियों व संगठन पदाधिकारियों के साथ तमाम समस्याओं को लेकर एक अहम बैठक की। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने बताया कि मंत्री व विभागीय अधिकारियों के साथ काफी अच्छी तरह से बैठक हुई है और तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमें पेंशन, रोजगार, नौकरी आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, खातों में आ रही द्विद्वष्ध्द्व की समस्याओं को उनके समक्ष रखा गया। प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान समय में चल रहे विधानसभ सदन होने की वजह से तमाम प्रमुख सचिव की बैठक में उपस्थित न होने के कारण कोई विशेष निकर्ष नहीं निकल सका। उन्होंने बताया कि राज्यपाल ने मंत्री द्वारा पूरे मामले पर हल और जवाब मांगा है। जिसके चलते मंत्री नरेंद्र कश्यप द्वारा एक पुनः बैठक 6 मार्च दिन गुरुवार को सुबह 11 बजे समस्त विभाग संबंधित प्रमुख सचिव एवं डी. जी.पी. सहित अन्य विभागों को तलब किया है। बैठक में दिव्यांग महागठबंध के प्रदेश अध्यक्ष मनीष प्रसाद, महासचिव वीरेन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव, आनंद कुमार, राहुल कुमार, आदि लोग उपस्थित रहे।

युवक ने किए आत्महत्या का प्रयास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

रेवतीपुर। पूर्व मध्य रेलवे दानापुर डिवीजन के तहत आने वाली डीटी (दिलदारनगर- ताडीघाट) ब्रांच लाइन पर आज सोमवार को लेवल क्रासिंग नौ के पूरब तरफ होम सिंग्नल के समीप किमी संख्या 15/2325 के समीप एक 32 वर्षीय युवक ने चलती मेमू ट्रेन के आगे छलांग लगा दिया।इसके कारण मेमू के चपेट में आने से युवक का जंघे से नीचे दोनों पैर शरीर से कटकर अलग हो गया,इस दौरान मेमू ट्रेन धडधडाते हुए दिलदारनगर जंक्शन के लिए निकल गई। युवक की पहचान छोटू प्रजापति निवासी देवा बैरनपुर थाना कोतवाली जमानियां के रूप में की गई। हादसे की जानकारी जब अपने घर और गाँव पर हुआ तो परिजनों में कोहराम मच गया,जबकि गाँव में छोटू प्रजापति के उठाए गये इस आत्मघाती कदम के कारण सन्नाटा पसर गया। प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर ने बताया कि ट्रेन के चपेट में आने से जख्मी युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है,बताया कि उसने यह कदम किन परिस्थितियों में क्यों उठाया इसकी छानबीन की जा रही है।

राज्य भाषा के लिए लोदना क्षेत्र को मिला शील्ड

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

तिसरा/धनबाद। बीसीसीएल के मुख्यालय कोयला भवन में आयोजित तिमाही कॉर्पोरेट स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक की गई। अक्टूबर से दिसंबर 24 तिमाही में लोदना क्षेत्र को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए निदेशक कार्मिक एवं महाप्रबंधक राजभाषा के द्वारा चल वैजयंती शील्ड देकर सम्मानित किया गया। शील्ड को लेने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक दीपक कुमार सिंह, नोडल अधिकारी राजभाषा सौरभ सिंह, वरीय लिपिक राजभाषा विश्वनाथ धीबर, अनुवादक रौशन कुमार शर्मा, लिपिक राकेश कुमार उपस्थित थें।

महमूदाबाद मुख्य चौराहे पर ऑटो चालक और ई-रिक्शा की मनमानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

मुहम्मदाबाद। कस्बे के मुख्य चौराहे पर अवैध वाहन स्टैंड बन गया है। शिकायतों के बाद भी अब तक यहां से ऑटो-रिक्शा व ई-रिक्शा को नहीं हटाया गया है। इसके कारण यहां पर दिन में जाम की स्थिति बनी रहती है। दुकानदारों ने कई बार शिकायत कर इन्हें हटवाने की मांग की है, लेकिन अब तक समस्या का निदान नहीं हुआ। यहां चौराहे पर सड़क पर खड़े चालक ऑटो व ई-रिक्शा में सवारियों को चढ़ाते और उतारते हैं। इससे यहां से निकलना मुश्किल होता है। राहगीर जाम से परेशान रहते हैं। पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि जल्द ही अभियान चलाया जाएगा।

विदेशी मुद्रा का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा, सऊदी रियाल के नाम पर करते थे फर्जीवाड़ा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। स्वाट, सर्विलांस और थाना बीघापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी दीपक भूकर के मुताबिक, गिरोह के सदस्य भारतीय मुद्रा के बदले सऊदी रियाल देने का लालच देकर लोगों को ठगते थे। रायबरेली के मानू सोनी से 1.55 लाख रुपये लेकर उन्हें कागज की गड्डी थमा दी गई। पीड़ित की शिकायत पर बीघापुर थाने में मामला दर्ज किया गयाबता दे कि सोमवार को ठगपुरवा कट के पास से पुलिस ने अब्दुल जलील, मासूम मुल्ला, मिन्टू, हमीदा और अफरोजा को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 44,020 रुपये नकद, फर्जी दस्तावेज, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बांग्लादेशी वीजा पासपोर्ट और नोटनुमा कागज के बंडल बरामद हुए हैं।

हाईवे पर कभी भी हो सकती बड़ी दुर्घटना, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

➢ राष्ट्रीय राजमार्ग-29 पर देवकली के करीब डिवाइडर पार करता ट्रैक्टर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। वाराणसी - गोरखपुर फोरलेन हाईवे पर जगह- जगह बनाए गए अवैध कट हादसों को दावत दे रहे हैं। इन कटों से निकलने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद इन कटों को बंद करने के लिए कोई कवायद नहीं की जा रही है। सिधौना से लेकर मटेहूं तक निजी ढाबा संचालक डिवाइडर को तोड़कर अवैध रूप से कट बना दिए गए है। अवैध कट सड़क पार करने के दौरान हादसे का सबब बन रहे है। वहीं कई लोग तो अपनी जान तक गवां चुके हैं। फोरलेन पर कई होटल संचालक व पेट्रोल पंप संचालकों ने अवैध कट बना दिए हैं, ताकि उनका धंधा चोखा चले। वाहन चालक और लोगों को इन अवैध कटों के जरिए हाईवे पार करते देखा जा सकता है। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-29 पर लापरवाही के कारण लोगों की जान खतरे में रह रही है। यातायात नियमों की अनदेखी हादसों का मुख्य कारण बन रही है। जंगीपुर, देवकली और सिधौना क्षेत्र के आसपास के तीन-चार किमी का क्षेत्र डेंजर जोन के माना जाता है, जहां अवैध कट तो हैं ही, गलत दिशा में चलने से भी हादसे हो रहे हैं। औड़िहार मोड़ दुर्घटनाओं का प्रमुख केंद्र है। सड़कों के किनारे होने वाली अवैध पार्किंग भी हादसों की प्रमुख वजह है। जल्दबाजी में गलत साइड भी मौत की प्रमुख वजह बन रही है। नेशनल हाईवे पर जगह-जगह बने कट हादसों को दावत दे रहे हैं। नेशनल हाईवे के किनारे ट्रक, ट्रेलर, टैंकर को खड़ा करने वालों पर पुलिस और परिवहन विभाग कोई अंकुश नहीं लगा पा रहा है। इस वजह से हादसों में कमी नहीं आ रही है।

हादसों में जा रही जान, फिर भी नाबालिगों के हाथ में थमा रहे दोपहिया की कमान

➲हादसे के बाद उठ रहा सवाल.. आखिर नाबालिगों को वाहन चलाने की छूट क्यों दे रहे अभिभावक ➲लंका बस स्टैंड के करीब बाइक पर सवार नाबालिग बच्चे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। जिले में पिछले पखवाड़े सड़क हादसे में तीन भाई-बहनों सहित छह की मौत से सिस्टम के साथ-साथ अभिभावकों पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। न तो ट्रिपल राइडिंग पुलिस वाले रोक रहे हैं, न लगातार हो रहे हादसों के बावजूद अभिभावक ही बच्चों को वाहन देने से बाज आ रहे हैं। पिछले पांच साल में हादसों में 258 नाबालिगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद नाबालिग व युवा ट्रिपल राइडिंग कर फर्राटा भरते फिर रहे हैं। नया कानून लागू होने के बाद एक साल में जिले में अब तक 37 नाबालिगों के चालान हुए हैं। ट्रिपलिंग राइडिंग पर भी 15,670 चालान हुए हैं। कहने को हम सिस्टम को भला बुरा कहते रहें। लेकिन, जवाबदेही तो हमारी भी बनती है कि अपने नाबालिग बच्चों के हाथों में वाहन न थमाएं। अगर घर का नवयुवा दोपहिया लेकर फर्राटा भर रहा है और ट्रिपलिंग कर रहा है तो उसे हिदायत दें।

आए दिन हिदायत देती दिखती पुलिस

नाबालिगों के हाथों में दोपहिया की रोकथाम को लेकर आए दिन यातायात पुलिस स्कूलों के आसपास अभियान चलाती है। स्कूलों में संदेश पहुंचाती है कि बच्चे वाहन लेकर न आएं। यहां तक की चालान की कार्रवाई भी हुई उसके बावजूद ये मानने को तैयार नहीं हैं।

क्या है नया कानून

1 जून 2024 से यूपी में 18 साल से कम उम्र के बच्चे वाहन चलाते मिले तो वाहन मालिक व अभिभावक पर कार्रवाई का आदेश है। बीएनएस के तहत 25,000 रुपये तक जुर्माना, वाहन को 12 माह के लिए सीज व अपराध करने वाले बच्चे 25 साल की उम्र तक लाइसेंस लेने के लिए अयोग्य घोषित किए जाएंगे।

नए कानून के बाद नाबालिगों के हाथों में वाहनों की रोकथाम के प्रयास होते रहते हैं। प्रयास बिना चालान समझाने व हिदायत देकर छोड़ने का रहता हैं। जो नहीं मानते या कई बार नियम तोड़ते दिखते हैं, तब चालान किया जाता है। अब नए सिरे से इस दिशा में अभियान छेड़ा जाएगा। ट्रिपलिंग पर लगातार कार्रवाई जारी है। - प्रभारी यातायात

जागरूकता अभियान चलाएगी अभिभावक एसोसिएशन

अभिभावक एसोसिएशन के पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर राय कहते हैं कि हमारे जिले के अभिभावकों से अपील है कि नाबालिग बच्चों के हाथों में स्कूल, कोचिंग या बाजार जाने के लिए दोपहिया वाहन न थमाएं। इस दिशा में जल्द नए सत्र से स्कूल खुलने पर अभियान भी चलाया जाएगा।

आर ओ बी के लाइट खराब होने से वाहन चालकों,राहगीरों एवं रेल यात्रियों को दिक्कतों व परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है: सदानंद महतो

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। गोमो आर ओ बी में सुचारू रूप से प्रकाश व्यवस्था को लेकर आजसू पार्टी के जिला संगठन सचिव सदानंद महतो ने एडीएन गोमो-1,डीआरएम-धनबाद तथा इंस्पेक्टर आर पी एफ गोमो को पत्राचार करके सोलर स्ट्रीट लाइट खराब होने से प्रकाश ठप हो गई है।उन्होंने कहा कि वाहन चालकों, राहगीरों एवं रेल यात्रियों को काफी दिक्कतों व परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इस वजह से सड़क दुर्घटनाएं व छिनतई बढ़ गई है।अगर रेलवे विभाग संज्ञान नहीं लेती है तो इसकी शिकायत गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी से की जाएगी।

लाल बांध तलाव का बीसीसीएल की सीएसआर फंड के 2 करोड़ से होगा सौंदर्य करण

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

तिसरा / धनबाद। चांद कुइयां के मुखिया प्रतिनिधि का प्रयास रंग लाया पंचायत के भागा रामपुर लाल बांध तलाव का बीसीसीएल की ओर सीएसआर फंड से 2 करोड़ रुपए लगाकर होगा तालाब का सौंदर्य करण। लोगों में खुशी की लहर। बताते हैं कि आसपास के लोगों ने मुखिया प्रतिनिधि मनोज सिंह से तालाब के संदर्भ में बात किया था मुखिया प्रतिनिधि ने इसकी सूचना पिछले दिनों डीपी मुरली कृष्ण रमैया को दिया और तालाब के विकास की बात कही मुरली कृष्ण रमैया ने इसको गंभीरता से लेते हुए 2 करोड़ का राशि आवंटन किया साथ में काम भी प्रारंभ हो गया। मुखिया ने कहा कि पहले चरण में राय टोला के लाल बांध में तालाब का खुदाई, घाट निर्माण कराया जाएगा इस तालाब के सौंदर्य करण से आसपास के ग्रामीण को फायदा होगा सिंचाई के साथ-साथ अन्य कामों में भी इसका पानी का सहयोग होगा। मुखिया प्रतिनिधि ने कहा की जनता से जो वादा किया वह निभा रहे हैं पानी की समस्या का समाधान लगभग हो चुका है थोड़ा बहुत बाकी है वह भी होगा इसके अलावा सड़क नाली आदि का भी काम कराया जा रहा है बीसीसीएल के सहयोग से भी काम कराया जा रहा है। तालाब का काम चालू होने से लोगों ने खुशी जाहिर की है पंचायत के अमृत महतो, चंदन बाउरी, माथुर महतो संजय, आदि ने किस काम के सराहना की है।

आईआईटी आईएसएम ने कर्माटांड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

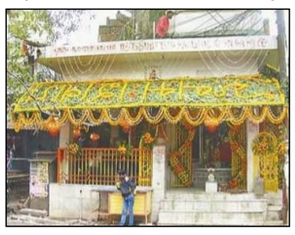

धनबाद। आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग ने प्रो. रश्मि सिंह के नेतृत्व में सोमवार को जमताड़ा जिले के कर्माटांड प्रखंड में किसानों के लिए एक दिवसीय उपचार कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य किसानों द्वारा सामना की जाने वाली कृषि समस्याओं, विशेष रूप से मिट्टी की सेहत और पौधों की बीमारियों के प्रबंधन पर ध्यान देना था।यह कार्यशाला झारखंड राज्य के जमताड़ा जिले में खेल सिद्धांत और संचालन अनुसंधान तकनीकों के उपयोग से अनुसूचित जनजाति समुदायों की आर्थिक स्थिति सुधारने नामक परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई थी। इस पहल के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों को कृषि से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारी और आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाया जा सके।कर्माटांड प्रखंड भौगोलिक और कृषि दृष्टि से विविधतापूर्ण क्षेत्र है, जिसमें मैदानी और ऊबड़-खाबड़ भूभाग शामिल हैं। यहां का मध्यम जलवायु विभिन्न प्रकार की फसलों जैसे धान, मक्का, दालें, तिलहन और सब्जियों की खेती के लिए अनुकूल है। इस क्षेत्र की प्रमुख मिट्टी-लाल और लैटेराइट-कृषि उत्पादन के लिए कई प्रकार की चुनौतियाँ और अवसर प्रस्तुत करती हैं।किसानों को गहरी जानकारी देने के लिए, परियोजना की प्रमुख अन्वेषक प्रो. रश्मि सिंह ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय से दो प्रमुख वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया। डॉ. अरविंद कुमार, जो एक प्रसिद्ध मिट्टी विशेषज्ञ हैं, ने मिट्टी की सेहत और उसकी उर्वरता बढ़ाने की प्रभावी रणनीतियों पर एक उपयोगी सत्र लिया। साथ ही डॉ. एम.के. बर्नवाल जो पौध रोग विशेषज्ञ हैं, ने प्रमुख पौध रोगों और उनके समाधान पर चर्चा की, जिससे किसानों को अपनी फसलों की सुरक्षा और उत्पादन में सुधार करने की महत्वपूर्ण जानकारी मिली।इस कार्यशाला में आईआईटी आईएसएम धनबाद के शोधकर्ता दीप चौधरी, पवन कुमार, निलेश कुमार, सन्नी, आनंद चंद्र साहू और सुमना बनर्जी ने भी भाग लिया। उन्होंने नवीन कृषि तकनीकों और स्थायी खेती के तरीकों पर उपयोगी चर्चाएँ कीं, जिससे सभी उपस्थित किसानों के लिए यह एक ज्ञानवर्धक अनुभव बना।यह कार्यशाला स्थानीय किसानों को वैज्ञानिक जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इस तरह के प्रयासों से आईआईटी आईएसएम धनबाद अनुसंधान और व्यावहारिक उपयोग के बीच की दूरी को पाटते हुए क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा दे रहा है।रविवार को इसी तरह की एक कार्यशाला जमताड़ा के नारायणपुर प्रखंड कार्यालय में भी आयोजित की गई, जिसमें जमताड़ा के विभिन्न हिस्सों से आए 135 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।

भोले की भक्ति के लिए शिवालय सज कर तैयार महाशिवरात्रि कल: होगी देवाधिदेव के पूजन की धूम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। जिले भर में आस्था और विश्वास का पर्व महाशिवरात्रि बुधवार को मनाया जाएगा। इसको लेकर श्रद्धालुओं में कई दिनों से उमंग और उत्साह बना हुआ था। मंदिरों में साफ-सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया। कल सुबह से ही सभी शिवालयों में भक्तों का रेला पहुंचने लगेगा जो देर शाम तक बना रहेगा। कई स्थानों पर शिव बरात निकाली जाती है जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होकर बराती बनते हैं। मेले का भी आयोजन होता है। जिले के खास शिव मंदिरों पर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। महाशिवरात्रि को लेकर पिछले कई दिनों से भक्तों में उत्साह दिख रहा था। भक्त इसकी तैयारी में जुटे हुए थे। जिले के प्रसिद्ध मरदह क्षेत्र के महाहर मंदिर के साथ ही शहर के बड़ा महादेवा, लालदवाजा स्थित अभयेश्वर महादेव शिव मंदिर, अति प्राचीन शिव मंदिर मिश्रबाजार, बाबा अमरनाथ, चीतनाथ स्थित कोटेश्वर नाथ सहित सैदपुर के बूढ़ा महादेव, करीमुद्दीनपुर के ऊंचाडीह, मुहम्मदाबाद के महादेवा, सोमेश्वर महादेव सहित सभी शिव मंदिरों पर भी बड़ी संख्या में भक्त दर्शन-पूजन कर जलाभिषेक करते हैं। इस मौके पर मंदिरों पर भव्य मेले का आयोजन भी किया जाता है। सोमवार को इन मंदिरों की साफ सफाई, श्रृंगार, सजावट, भक्तों के आने जाने के लिए बैरिकैडिंग आदि का काम देर रात तक चलता रहा। रंग रोगन और साफ-सफाई में भक्त श्रद्धा और लगन के साथ जुटे रहे। हर जगह शिवालयों पर विभिन्न प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। कीर्तन भजन के साथ ही शाम को शिव बारात का आयोजन किया गया है। शहर के गोराबाजार स्थित बूढ़ा महादेव मंदिर में रंग-रोगन के साथ ही मंदिर परिसर और जाने वाले मार्ग की साफ-सफाई का कार्य किया गया। लालदरवाजा स्थित शिव मंदिर की साफ-सफाई के साथ ही मंदिर को फूलों का सजा दिया गया है।राजा दशरथ ने कराया था महाहर धाम का निर्माणमरदह। जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित सिद्धपीठ शिवस्थली महाहर धाम का पौराणिक महत्व है। यहां के शिवलिंग में पूरा शिव परिवार स्थित है। पुराणों के अनुसार यहीं पर राजा दशरथ की तीर से श्रवण कुमार घायल हुए थे। आज भी वह पोखरा स्थित है। इस धाम पर जहां महाशिवरात्रि पर भक्तों का रेला उमड़ता है, वहीं पूरे सावन भर मंदिर परिसर घंट की आवाज से गुंजायमान रहता है। ऐसी मान्यता है कि स्थापित शिवलिंग का दर्शन करने से मनुष्य के सारे पाप कट जाते हैं।

एक घंटा पहले रीचार्च कर लें फास्टैग वरना देना पड़ जाएगा दोगुना टोल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। फोरलेन और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर चार पहिया व अन्य बड़े वाहनों को ले जाने के कम से कम एक घंटे पहले अपने फास्टैग का निरीक्षण कर लें। यदि उसमें रकम कम हो तो तत्काल रिचार्ज करवा लें। नहीं तो जब तक आपके फास्टैग में बैलेंस पहुंचेगा, तब तक आपको दोगुना टोल जमा कर देना होगा। अब इसमें लापरवाही महंगी पड़ जाएगी। बीते 17 फरवरी से एनएचएआई ने फास्टैग के नियमों में बदलाव कर दिया है। इसके तहत पहले फास्टैग में जब रकम कम होता था तो वाहन चालक टोल प्लाजा से पहले ही रिचार्ज कर लेते थे और बिना समय गंवाए तत्काल बैलेंस उनके कार्ड में पहुंच जाता था। अब फास्टैग रिचार्ज करने के बाद बैलेंस पहुंचने में कम से एक घंटे का समय लग रहा है। यही नहीं कभी-कभी इससे भी अधिक समय बीत जाने के बाद भी बैलेंस नहीं पहुंच रहा है। यह कोई सर्वर की गड़बड़ी नहीं है, जिम्मेदार इसे फास्टैग के नियमों में बदलाव बता रहे हैं। इसके लिए सफर पर निकलने से पहले कम से कम दो घंटे पूर्व ही फास्टैग को रिचार्ज करना जरूरी है, ताकि टोल प्लाजा पर पहुंचने से पहले उनके कार्ड में बैलेंस पहुंच जाए। इस नए नियम का खामियाजा वाहन चालक भुगतने लगे हैं। जानकारी के अभाव में वाहन चालकों की जेब ढीली होने लगी है। अकेले जिले के गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन स्थित बिरनो टोल प्लाजा पर छह दिन में 17 वाहन चालक इस नई व्यवस्था के शिकार हो चुके हैं।

रीचार्ज के बावजूद भरना पड़ा दोगुना टैक्स

वाहन मालिक नगर पालिका पीरनगर निवासी अरविंद सिंह ने बताया कि अयोध्या से घर आ रहा था। गाड़ी का नंबर लखनऊ का था। जब बिरनो टोल प्लाजा से पहले पहुंचा तो फास्टैग में रकम कम होने के कारण तत्काल ऑनलाइन रिचार्ज तो कर दिया, मगर एक घंटे से अधिक समय बीत गया फिर भी बैलेंस नहीं पहुंचा। मजबूर होकर दोगुना नकद टोल देना पड़ा।

बदलाव की नहीं थी जानकारी, भरना पड़ा जुर्माना

भांवरकोल थाना क्षेत्र के शेरपुर कलां निवासी दिनेश चंद्र राय ने बताया कि फास्टैग के नियमों में बदलाव की जानकारी नहीं थी। लखनऊ के शेरपुर कलां आ रहा था। जहां टोल प्लाजा से पहले पता चला कि फास्टैग में बैलेंस कम है। तुरंत गूगल पे से रिचार्ज किया, मगर बैलेंस नहीं पहुंच पाया। मजबूर होकर दोगुना टोल का भुगतान करना पड़ा।

वाहन चालक हमेशा फास्टैग में पर्याप्त बैलेंस रखें, ताकि टोल पर परेशानी न उठानी पड़े। पहले जहां तत्काल बैलेंस मिल जाता था, वहीं अब नियमों में बदलाव के कारण कम से कम एक घंटे पहले रिचार्ज करना पड़ेगा, तभी बैलेंस फास्टैग में पहुंचेगा।

प्रबंधक बिरनो टोल प्लाजा।

उन्नाव में जुड़वा समेत तीन भाइयों एक की मौत, सांड से बचने के प्रयास में ट्रक से टकराई बाइक, दो की हालत गंभीर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। डंपर की टक्कर से बाइक सवार तीन भाइयों की मौत हो गई। मृतकों में दो जुड़वा भाई और एक मौसेरा भाई शामिल है। दूसरी बाइक पर सवार दो भाई खंती में गिरने से गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर भाग गया। बिहार-बक्सर मार्ग पर रविवार रात डंपर की टक्कर से बाइक सवार दो जुड़वा भाई सहित तीन की मौत हो गई। वहीं दूसरी बाइक में सवार दो भाई घायल हुए हैं। तीनों मृतक बरातों में तंदूर में रोटी बनाते थे। हादसे में वार्ड नंबर 3, गल्ला मंडी भगवंतनगर के रहने वाले आदिल (15), अरबाज (15) पुत्र आमिर खान और उनके मौसेरे भाई सरफराज (23) पुत्र सीनियर की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार अफताब पुत्र सीनियर और अरमान पुत्र आमिर खान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों बाइक पर सवार पांचों लोग बारातों में भट्टी पर तंदूरी बनाने का काम करते थे। रविवार को रायबरेली के दिग्पालगंज पठई एक शादी कार्यक्रम में गए थे। रात करीब दो बजे बाइक से तीनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिहार बक्सर मार्ग पर सराय मनिहार स्थित ईंट-भट्ठे के पास सांड से बचने के चक्कर में बाइक सामने से आ रही डंपर से टकरा गई। हादसे में तीन की मौके पर ही मौत हो गई। बिहार थाना प्रभारी सुब्रत तिवारी ने बताया कि हादसे मे मृतक तीनों युवकों के शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। दो घायल है जिनको इलाज के लिए सुमेरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। डंपर का पता लगाया जा रहा है।

झारखंड क्रिकेट रणजी खिलाड़ी रीता यादव और कुमारी सुरभि ने यूजीसी नीट की परीक्षा में लहराए परचम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

रीता यादव

कुमारी सुरभि

तिसरा/धनबाद । चांद कुइयां चेक पोस्ट के रहने वाले पूर्व बीसीसीएल कर्मी स्वर्गीय विश्वनाथ यादव की पुत्री रीता यादव एवं धनबाद विनोद नगर के रहने वाली पूनम देवी की पुत्री कुमारी सुरभि ने नीट की प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होकर कोयलांचल का नाम रोशन किया है। सिंदरी क्षेत्र के विधायक चंद्रदेव महतो ने दोनों को शुभकामनाएं दी है एवं आगे सहयोग करने की बात कही है। नीट की परी परीक्षा में रीता ने 94.96 अंक लाई है। रीता पूर्व में रणजी क्रिकेट टीम के खिलाड़ी रह चुकी हैं। पिछले वर्ष रीता बीएससी परीक्षा पास कर बिहार के झंझारपुर में खेल शिक्षक के रूप में ज्वाइन किया इसके बाद रीता शिक्षक के साथ-साथ अपनी पढ़ाई जारी रखें और आज कामयाबी भी मिले इसके लिए समाज के सभी लोग उसका हौसले की तारीफ कर रहे हैं। जबकि धनबाद विनोद नगर निवासी स्वर्गीय सिद्धार्थ शंकर की पुत्री कुमारी सुरभि पढ़ने में शुरू से ही तेज तरार थी 3 वर्ष पूर्व उनके शादी भी हो गई थी वह अपने पति विजय मिश्रा के साथ दिल्ली में रह रहे थे लेकिन पढ़ाई कर रही थी और धनबाद से जुड़ी हुई थी अंततः नीट के परीक्षा में कुमारी सुरभि ने 96.99 प्रतिशत अंक लाकर अपने परिवार एवं समाज का नाम रोशन किया कुमारी सुरभि ने बताई की शुरू से मेरा मकसद था सरकारी जॉब करना। परीक्षा पास होने से असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए क्वालीफाई कर गई और पीएचडी में भी नामांकन हो जाएगा। कुमारी सुरभि ने बताया कि इसका श्रेय अपने पति विजय मिश्रा को देती है बताती है कि गूगल के माध्यम से रात में पढ़ाई करते थे पति सहयोग करते थे। उन्होंने कहा कि कोई भी काम असंभव नहीं है सभी को संकल्प लेकर काम करना चाहिए सफलता मिलती है।

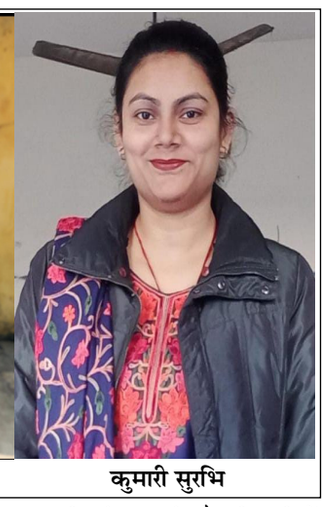

संयुक्त पुलिस टीम ने तीन शातिर चोर गिरफ्तार, पुलिस मुठभेड़ में एक घायल, अन्य की तलाश जारी

❑ सरोजनीनगर पुलिस व सर्विलांस टीम दक्षिणी की संयुक्त पुलिस टीम ने बंद घरों में घुसकर चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार
❑ कब्जे से चोरी किये गये लाखों के जेवरात व नगदी सहित एक ईको वैन नम्बर प्लेट लगी बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना के अंतर्गत मिली आय दिन रात बंद घरों की रेकी कर चोरी की शिकायतें मिल रहे थे, जिस कारण चोरों को पकड़ने हेतु डीसीपी दक्षिणी ने तत्काल निर्देश दिया। निर्देश पाते ही थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति के नेतृत्व में पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर बड़े चोरों के गिरोह का खुलासा किया गया। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि इस गिरोह के सदस्य स्कूटी के माध्यम से रात्रि 10 बजे के बाद रिहायशी इलाकों में बंद पड़े मकानों को चिन्हित करते है और फिर उनमे कोई सामान जैसे कोई कपडा, लकड़ी का टुकड़ा पॉलीथिन में कचरा जैसे सामान गेट पर अथवा दीवार से अंदर फेंक देते थे, फिर अगले दिन रात्रि 2 बजे के करीब आकर देखते कि क्या वो सामान जो एक दिन पहले फेंका गया है वो वैसे ही पड़ा है

या हटाया गया है। इसके जरिये ये शातिर तरीके से यह पुख्ता करते थे की घर पर कोई नहीं रह रहा हो और फिर पेचकस और पाने से खिड़कियों के लोहे की ग्रिल ढीली करते और रॉड की मदद से ग्रिल उठाकर अलग कर देते थे, फिर अंदर के ताले तोड़कर सारे सामान की चोरी करते थे, वापिस जाते समय फिर से ग्रिल वैसे ही बिना फिक्स किये लगाकर चले जाते , जिससे अगल बगल किसी को देखने पर तोड़फोड़ का कोई शक न हो जब मकान मालिक वापस आते तो तब घर सामान्य मिलता लेकिन अंदर ताले टूटे, लॉकर टूटे हुए मिलते थे, बाद में पुलिस के जाने पर और पूरे घर की चेकिंग करने पर पता चलता था की खिड़कियों की ग्रिल खिसका कर घर में प्रवेश किया गया है। ट्रांसपोर्टनगर में भी जिन दो घरों में चोरी की गयी है वह पर एक दिन पहले रेकी के दौरान एक घर पर पुराना कपड़ा और दूसरे घर पर पॉलिथीन में कचरा भर कर फेंका गया था। घटना करने के बाद सामान को तुरंत ही अपने साथी अपराधी अमिताभ रस्तोगी उर्फ विशाल रस्तोगी जो सुनार का काम करता है, उसे चोरी का सामान आगे बेचने के लिए देने जाते समय इन चोरो द्वारा ईको वैन जिससे चोरी की जाती थी, को बदल लिया जाता है, और किसी पिकअप जिसमें पीछे डिलीवरी का कोई माल जैसे तार, गत्ते, पाइप आदि लदा हो उसे बैठ जाते थे ताकि देर रात्रि में यदि पुलिस चेक करें तो मजदूर होने और माल डिलीवरी पर जाने की बात बताकर बचा जा सके। अपराध करने के दौरान रेकी और चोरी करने में प्रयुक्त वाहनों में फर्जी नंबर प्लेट का प्रयोग किया गया है, ताकि सीसीटीवी कैमरों में वाहन की पहचान से बचा जा सकें। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर हारुन पुत्र मुन्ना राइन निवासी मुल्हेपुर थाना रामपुर कला सीतापुर उम्र करीब 32 वर्ष, पिन्टू कश्यप पुत्र कुन्नीलाल निवासी सुल्तापुर अकडरियाकला थाना इटौंजा जनपद लखनऊ उम्र 35 वर्ष, अमिताभ रस्तोगी उर्फ विशाल रस्तोगी पुत्र आशाराम रस्तोगी निवासी ग्राम नानपारा थाना नानपारा जनपद बहराइच हाल पता ग्राम भरावन कला थाना दुबग्गा जनपद लखनऊ उम्र करीब 35 वर्ष को चोरी गये जेवरात व नगदी व ईको वैन गाडी कूटरचित नम्बर समेत गिरफ्तार करने मे महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गयी। मौके से माल बरामदगी व ईको वैन गाड़ी में कूटरचित नम्बर प्लेट लगी होने के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस गैंग में कुल 6 सदस्य है, जिसमे से इनका सरगना पप्पू उर्फ़ अकरम उर्फ़ चिकना को कल रात्रि पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है, इस गैंग के अन्य तीन सदस्यों हारुन, पिन्टू कश्यप, अमिताभ रस्तोगी उर्फ विशाल रस्तोगी को ब्लूडार्ट तिराहे से रिवशा कॉलोनी की तरफ जाने वाले रास्ते पर गिरफ्तार किया गया है। इनके दो साथी इरफान व अब्बू तालिब की पुलिस तलाश कर रही है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगायी गयी है।

नगर निगम लखनऊ की ननिष्क्रियता के चलते सिंवई कारोबार चौपट होने के कगार पर सिवई दुकानदारो की रोज़ी रोटी पर छाया संकट

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ । नगर निगम की निष्क्रीयता, तथा अमीनाबाद इन्टर कालेज प्रबंधन की हठधर्मिता के चलते इस बार रमज़ान तथा ईद के अवसर पर मौलवीगंज मे पिछले 40 सालों से लगता आ रहा अस्थाई सिवंई बाजार पर संकट आ खडा हुआ है अमीनाबाद इंटर कालेज प्रबंधन ने एक माह के लिए अपने फुटपाथ पर लगने वाली सिवंई की अस्थाई दुकाने लगाने से व्यापारियो को मना कर दिया है । सनद रहे कि राजधानी लखनऊ के मौलवीगंज स्थित अमीनाबाद इंटर कालेज के सामने फुटपाथ पर पिछले 40 वर्षो से रमजान के मौके पर अस्थाई सेवंई बाजार लगता आ रहा है, जिसकी परमीशन नगरनिगम प्रशासन देता रहा है, तथा सेवंई दुकानदार इसके लिए शुल्क भी देते आ रहे हैं जिसकी रसीदें भी उपलब्ध हैं । किंतु इस बार रमजान माह के शुरू होने से पहले ही अमीनाबाद इंटर कालेज प्रबंधन तथा उसके सामने महिला विधालय प्रबंधन ने फुटपाथ को जाली की रेलिंग लगाकर घेर लिया तथा सेवंई दुकानदारों को दुकान लगाने से रोक दिया । इस संबंध में सिवंई व्यापारियो ने नगर आयुक्त को चिठ्ठी सौंपकर मात्र एक माह के लिए सेवंई की दुकाने लगाने की परमीशन मांगी थी,

जिसको अपर नगर आयुक्त ने जोन 1 के जोनल अधिकारी को रेफर कर दिया । वहीं जब इस संबंध मे नगर आयुक्त से सवाल किया गया तो उनहूने अपना पल्ला झाड़ते हुए अमीनाबाद इंटर कालेज प्रबंधन द्वारा दुकाने नही लगने देने की बात कही । ज्ञात रहे कि अमीनाबाद इंटर कालेज लखनऊ नगर निगम द्वारा ही संचालित किया जाता है, तथा पिछले चालिस सालों से सेवंई के फुटकर दुकानदार लखनऊ नगर निगम से ही अस्थाई दुकानो की परमीशन लेते रहे हैं तथा नगर निगम द्वारा निर्धारित राषि का भुगतान भी लखनऊ नगर निगम को ही करते आ रहे हैं, फिर इस बार बीच मे अमीनाबाद इंटर कालेज कहां से आ गया । मौलवीगंज मे पिछले 40 वर्षो से लगता आ रहा उक्त अस्थाई सेवंई बाजार राजधानी लखनऊ का प्रमुख सेवंई बाजार है जहां पूरी राजधानी के लोग सेवंई की खरीदारी करने आते हैं । अमीनाबाद इंटर कालेज प्रबंधन की हठधर्मिता तथा लखनऊ नगर निगम प्रशासन की निष्क्रीयता के चलते अगर इसबार उक्त सेवंई बाजार नही लगा तो इसका खामियाजा ना केवल सेवंई के व्यापार पर पडेगा, अपितु फुटपाथ पर दुकाने लगाने वाले गरीब दुकानदारो के सामने भी रोजी रोटी का गंभीर संकट खडा हो जाएगा ।

महेश नमकीन फैक्ट्री में लगी आग

❑ फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मस्कत के बाद आग पर पाया काबू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। क्षेत्र के नादरगंज स्थित महेश नमकीन फैक्ट्री में सोमवार सुबह तड़के करीब 5 बजे भयानक आग लग गई। फैक्ट्री के स्क्रेप गोदाम स्थित लगी आग ने तुरंत ही विकराल रूप धारण कर लिया। बताते हैं कि गोदाम में लकड़ी व पॉलिथीन होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण किया। फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। धुआं देखते ही मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया किंतु सफलता न मिलने पर फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। इसके बाद कुछ ही देर में फायर यूनिट ने घटनास्थल पर पहुंचकर देखा कि आग महेश नमकीन के स्क्रेप गोदाम में लगी हुई थी, जो बहुत ही बिकराल रूप में फ़ैलकर जल रही थी, यूनिट ने तत्काल अग्निशमन कार्य करते हुए आग को बुझाना प्रारंभ किया, आग की भयावहता को देखते हुए हजरतगंज कंट्रोल रूम व अन्य स्टेशनो से और गाड़ियां बुलाई गईं। कुछ ही देर में मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। आग को लगभग 4:30 घंटे के बाद आधा दर्जन अग्निशमन की गाड़ियों व अग्निशमन कर्मचारियों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद काबू किया गया। आग लगने का कारण नहीं पता चला है। घटना में किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई।

महाकुम्भ के धार्मिक आयोजन को भाजपा ने राजनीतिक इवेंट बनाने का किया काम: अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि महाकुंभ संतो, धर्माचार्यो और आम जनता का श्रद्धा का धार्मिक आयोजन है। लेकिन भाजपा सरकार इसे राजनीतिक इवेन्ट बनाने का काम किया। भाजपा सरकार महाकुंभ के सुचारू आयोजन में फेल रही है। न तो भीड़ का मैनेजमेंट कर पायी, न श्रद्धालुओं के यातायात की व्यवस्था कर पायी और न स्नान के लिए साफ पानी उपलब्ध करा पायी। संगम में गंगा जल को लेकर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनजीटी की रिपोर्ट भाजपा सरकार की नाकामी का दस्तावेज है। गंगा जी की सफाई के नाम पर हजारों करोड़ का बजट आया। बजट साफ हो गया लेकिन गंगा नदी साफ नहीं हो पायी। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कुंभ के आयोजन के लिए स्थायी और बुनियादी ढांचा विकसित करने की आवश्यकता है। इसलिए जिस तरह की भी सलाह की आवश्यकता हो समाजवादी पार्टी देने के लिए तैयार है। केन्द्र सरकार को प्रयागराज का किला उत्तर प्रदेश सरकार को दे देना चाहिए। कुंभ के आयोजन के लिए केन्द्र और यूपी सरकार को मिलकर दो लाख करोड़ रूपये का कार्पस फण्ड बनाना चाहिए। इसमें एक लाख करोड़ रूपये राज्य सरकार दे और एक लाख करोड़ रूपये केन्द्र सरकार दे। जिससे कार्पस फण्ड के एक लाख करोड़ रूपये से स्थायी बुनियादी ढ़ांचा तैयार हो सके और एक लाख करोड़ रूपये से कुंभ में आने जाने वाले गरीब श्रद्धालुओं के लिए यातायात व्यवस्था, सुविधाओं का विकास किया जाय ताकि महाकुंभ में फिर कभी इस तरह की घटनाएं न हो और ऐसे हालात न पैदा हो जैसे इस बार हुए है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार डबल ब्लंडर है। अब संगम में गंगा जी के जल को लेकर केन्द्र और प्रदेश की सरकारें टकरा रही है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अपनी-अपनी रिपोर्ट को लेकर लड़ रहे हैं। भाजपा सरकार की एजेंसियों की लड़ाई को देखकर आम जनता ठगा महसूस कर रही है। महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए साफ पानी की भी व्यवस्था नहीं कर पायी। अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ में भगदड़ भाजपा सरकार की नाकामी है। इससे भी बढ़कर सरकार और मुख्यमंत्री ने संवेदनहीनता की पराकाष्ठा कर दी। सरकार भगदड़ की जानकारी छिपाती रही। भगदड़ के मृतकों और घायलों की सही जानकारी नहीं दी। लोग अपने परिजनों की जानकारी के लिए भटकते रहें। बड़ी संख्या में लोगों की महाकुंभ आने जाने के दौरान रास्ते में दुर्घटना से मौत हो गयी। सरकार ने न तो मृतकों की कोई जानकारी दी और न तो उनके परिजनों की कोई आर्थिक मदद की। पूरी सरकार महाकुंभ भगदड़ मृतकों की संख्या, घायलों के इलाज पर झूठ बोलती रही। उन्होंने कहा कि कपड़ा पहनने से कोई योगी नहीं होता है। व्यक्ति व्यवहार, भाशा और आचरण से योगी बनता है। महाकुंभ में अभी बड़ी संख्या में लोग स्नान नहीं कर पाए हैं। करोड़ों लोग अभी स्नान करने को बाकी है। सरकार को कुंभ की तारीख बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुंभ का आयोजन ऐतिहासिक और पौराणिक है। कुंभ का आयोजन सदियों से हो रहा है। कन्नौज के सम्राट हर्षवर्धन भव्य कुंभ का आयोजन करते थे। वे पूरे कुंभ के समय प्रयागराज में रहकर साधु, संतो, धर्माचार्यो की सेवा करते थे। दान करते थे। अपना सब कुछ दान कर कुंभ के समापन के बाद वापस जाते थे। श्री यादव ने कहा कि भाजपा की झूठी और बेईमान सरकार ने आज तक कोई विकास कार्य नहीं किया। भाजपा में न योग्यता है और न क्षमता है। इस बार कुंभ में श्रद्धालुओं की जैसी दुर्दशा हुई है वैसी कभी नहीं हुई थी। कुंभ में हुए हादसों और अव्यवस्था में भाजपा सरकार की पोल खोल दी है। इस सरकार की अयोग्यता से पूरी दुनिया में उत्तर प्रदेश की बदनामी हुई।

समाचार

शातिर चोर मंदिर की दान पेटी चोरी करने वाला थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के हत्थे चढ़ा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर द्वारा, राजधानी लखनऊ (दक्षिणी) क्षेत्र में,थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस को वादी रामबक्स दास निवासी रामजानकी मंदिर चढ़ाई का पुरवा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ लिखित तहरीर के आधार पर रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा, मंदिर की दान पेटी का ताला तोड़कर नगदी चोरी कर लेने के संबंध में थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया, मुखबिर की सूचना पर, आरोपी सर्वेश कुमार निवासी ग्राम सेमरिया थाना सकरन जनपद सीतापुर, चोरी किया,2,1000, कब्जे से,12,770, रुपए बरामद हुआ, इसी क्रम में (दक्षिणी) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना सुशांत गोल्फ सिटी प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार मिश्रा,के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार कर,नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

दो नाबालिक सगी बहनों को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र से दो नाबालिक सगी बहनें संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोज बीन के बाद परिजनों ने दो युवकों के खिलाफ बहला फुसला कर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के एक गांव में रहने वाली महिला के मुताबिक उसकी 17 वर्षीया और 16 वर्षीया बेटी शनिवार रात अचानक लापता हो गई। रिश्तेदारी और परिचितों के यहां खोजबीन की गई, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। बाद में खोजबीन के दौरान पता चला कि दोनों किशोरियों को मोहनलालगंज के बेलहानी गांव में रहने वाले शंकर का बेटा आशीष और इसी गांव में रहने वाले राम लखन का बेटा सोहनलाल उन्हें शनिवार रात करीब 10 बजे बहला फुसला कर अपने साथ कहीं भगा ले गया है। फिलहाल पुलिस ने दोनों के खिलाफ अगवा करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों और किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है।

एग्रीमेंट करने के बावजूद ना तो कब्जा देने और ना ही रुपए वापस करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आशियाना के सेक्टर - जी, एलडीए कॉलोनी निवासी हरिश्चंद्र गौतम ने सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर निवासी प्रेम कुमार बधावन, किरन बधावन, सुब्रत बधावन और मुस्कान बधावन के खिलाफ बिक्री के लिए लाखों रुपए का एग्रीमेंट करने के बावजूद ना तो कब्जा देने और ना ही रुपए वापस करने की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे मांगने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। हरिश्चंद्र के मुताबिक उन्होंने ट्रांसपोर्ट नगर, शहीद पथ स्थित खसरा संख्या -288 के मिनजुमला रकबा -1218 वर्ग फीट का 6 अगस्त 2020 को 31 लाख रुपए में खरीदने के लिए एग्रीमेंट किया था। लेकिन आरोप है कि आरोपियों ने अब तक ना तो मकान पर कब्जा दिया और ना ही उनके पैसे वापस किए। जबकि बाद में काफी गुजारिश करने के बाद 30 मार्च 2023 तक रुपए नहीं वापस किए जाने पर ब्याज सहित धनराशि वापस लौटाने का समझौता एग्रीमेंट हुआ था। लेकिन आरोप है कि बाद में 31 लाख रुपए में से वापसी के लिए आरोपियों ने चार चेकें दी। जिसमें से सिर्फ 2 लाख रुपये की एक चेक का भुगतान हुआ और तीन चेकें बाउंस हो गई। पीड़ित के मुताबिक अब ब्याज सहित उसकी पूरी धनराशि 41,10,000 रुपये बन रही है। लेकिन आरोपी वापस नहीं कर रहे हैं। मांगने पर टालमटोल करते और घर जाकर मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

काकोरी गोली कांड का पुलिस डीसीपी ने किया खुलासा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में 19 फरवरी को 30 वर्षीय अंकित लोधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अंकित के जीजा द्वारा काकोरी थाना में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और कार्रवाई शुरू की। सर्विलांस सेल और काकोरी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी और अंततः चार आरोपियों को बड़ागांव से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हत्या जमीनी विवाद के चलते की गई थी। डीसीपी पश्चिम ने प्रेस वार्ता में इस हत्याकांड का खुलासा किया। गिरफ्तार आरोपियों में सुमित कनौजिया (28 वर्ष), सरवन उर्फ टऊवा (42), अंशू यादव उर्फ काली (19), और रंजीत कुमार (22) शामिल हैं। यह सफलता काकोरी थाना और पश्चिमी जोन टीम की मिलीजुली मेहनत का परिणाम है, जिनकी कड़ी जांच और दबिश के बाद आरोपियों को पकड़ लिया गया।

चाक चौबंद व्यवस्था के बीच यूपी बोर्ड की परीक्षाएं हुई प्रारम्भ

● खालसा इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर पुष्प वर्षा कर एवं माला पहनाकर हुआ परीक्षार्थियों का स्वागत, उत्सव जैसा माहौल देखकर परीक्षार्थी हुए खुश ● कॉलेज प्रबंधक, चेयरमैन एवं केन्द्र व्यवस्थापक ने दिया तनावमुक्त होकर परीक्षा देने का सन्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चाक चौबंद व्यवस्था के बीच उत्सव की तरह यूपी बोर्ड हाई स्कूल एवं इंटर मीडिएट की परीक्षाएं प्रारम्भ हुई। खालसा इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर प्रातः की पाली में पुष्प वर्षा एवं माला पहनाकर परीक्षार्थियों का स्वागत किया गया। लखनऊ जनपद में आदर्श कारागार परीक्षा केन्द्र सहित कुल 127 परीक्षा केंद्रों पर सीसी टीवी कैमरों की निगरानी में कुल 1,03,778 परीक्षार्थी , इनमें से हाई स्कूल के 53,931 जबकि इंटर मीडिएट के 49,847 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। आज से प्रारम्भ हुई बोर्ड परीक्षाएं 12 मार्च को सम्पन्न होंगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के हिन्दी विषय की परीक्षा हुई 7 चारबाग स्थित खालसा इंटर कॉलेज के केन्द्र व्यवस्थापक स. वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि इस केन्द्र पर हाई स्कूल एवं इंटर मीडिएट के 10 विद्यालयों के कुल 824 छात्र - छात्रायें परीक्षा दे रहे हैं जिसमें से हाई स्कूल के 396 एवं इंटर मीडिएट के 428 परीक्षार्थी शामिल हैं 7 प्रथम एवं द्वितीय पाली में परीक्षा देने पहुंचे हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट के परीक्षार्थियों का कॉलेज के द्वार पर केन्द्र व्यवस्थापक, शिक्षक - शिक्षिकाओं द्वारा पुष्प वर्षा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया 7 केन्द्र पर उत्सव जैसा माहौल देखकर परीक्षार्थी काफी खुश हुए 7 इतना ही नही परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर बैनर के माध्यम से कॉलेज प्रबंधक स. राजेन्द्र सिंह बग्गा, चेयरमैन स. चरनप्रीत सिंह बग्गा एवं प्रधानाचार्य स. वीरेन्द्र सिंह द्वारा परीक्षार्थियों को परीक्षा को उत्सव की तरह लेने एवं तनावमुक्त होकर परीक्षा देने का सन्देश दिया गया 7 केन्द्र व्यवस्थापक ने बताया कि प्रथम पाली में हाई स्कूल की हिन्दी विषय की परीक्षा में कुल 15 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे जबकि द्वितीय पाली में इंटर मीडिएट की हिन्दी विषय की परीक्षा में 20 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे 7 कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कॉपियों की सीलिंग एवं पैकिंग हुई 7 इस दौरान सुशील कुमार - स्टैटिक मजिस्ट्रेट, अवर अभियंता सिचाई विभाग, केन्द्र व्यवस्थापक वीरेन्द्र सिंह, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक अरविन्द कुमार द्विवेदी, परीक्षा प्रभारी नीरज श्रीवास्तव एवं परीक्षा सहायक मौजूद रहे 7

14वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डर्स का हुआ विजेताओं के साथ समापन

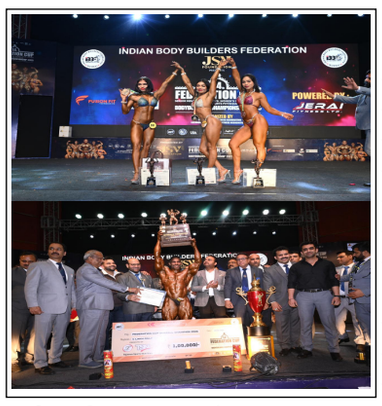

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सोमवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी में आयोजित हुआ। यह आयोजन ÷14वें फेडरेशन कप÷ के रूप में हुआ, जिसमें देशभर के बॉडी बिल्डर्स ने अपनी ताकत और फिटनेस का प्रदर्शन किया। मुख्य आकर्षण में इंडियन बॉडी बिल्डर्स के ओवरऑल विजेता चित्रेश मतेसन रहे, जिन्हें 1 लाख रुपये और 350 सीसी की बुलेट से सम्मानित किया गया। साथ ही अल्ताफ खां ने रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। महिला और पुरुष बॉडीबिल्डिंग की विभिन्न कैटेगरी में भी विजेताओं का सम्मान किया गया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की और स्वास्थ्य तथा फिटनेस के महत्व पर चर्चा की। इस इवेंट की आयोजन समिति में कई प्रमुख व्यक्ति शामिल थे,जैसे साजिद अहमद कुरैशी (अध्यक्ष, यूपी बॉडीबिल्डिंग एंड फिटनेस एसोसिएशन) और अन्य संगठन प्रमुख, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इवेंट के समापन में एक अंतिम प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी चैंपियंस ने भाग लिया और चित्रेश मतेसन को शीर्ष सम्मान प्राप्त हुआ। इस आयोजन से जुड़े सभी आयोजकों और अधिकारियों ने सफलता की ओर अग्रसर होने का संकल्प लिया।

महाकुम्भ में लाखों श्रद्धालुओं के लिए लंगर का किया आयोजन

➤ सिख गुरुओं ने मानवता के कल्याण के लिए किया अपना सर्वस्व न्यौछावर: ज्ञानी करनैल सिंह गरीब

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

प्रयागराज/ लखनऊ। महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर 07 में %लंगर भाई लालो जी% ने लाखों श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद से तृप्त किया। इस कैम्प के जरिए सिख समाज ने श्रद्धालुओं की निरन्तर सेवाएं की। महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए डेढ़ महीने तक लंगर चलाया। इसमें देश के कई प्रान्तों के सिख बंधुओं ने सेवाएं दी। महाकुम्भ लंगर के पंडाल में चार साहिबजादों व सिख समाज के इतिहास की प्रदर्शनी भी लगाई गयी थी। लंगर में सहयोग करने वाले लोगों का संस्था की ओर से सम्मान भी किया गया। सरदार जसविंदर सिंह के नेतृत्व में इस कैम्प का संचालन हुआ। यहां पर लाखों श्रद्धालुओं के साथ प्रयागराज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी या पढ़ाई कर रहे छात्रों ने भी रात्रि को लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सिख संगत के तत्वाधान में भाई लालो जी का शुकराना अरदास समागम को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की उपस्थिति में मुख्तियार सिंह मोखा द्वारा जपुजी साहिब के पाठ हुआ तत्पश्चात भाई हरविंदर सिंह जी द्वारा गुरबाणी कीर्तन का गायन किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक ज्ञानी करनैल सिंह गरीब ने कहा कि सिख गुरूओं ने अपने लिए नहीं मानवता के कल्याण के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। भारत में आज अगर 14 मजहब के लोग शांति से रह रहे हैं तो उसके लिए हमें गुरू तेग बहादुर के बलिदान को नहीं भूलना चाहिए। सिख गुरूओं ने अपने को सेवादार ही कहा। इस बात को अगर खालसा समझ पाते तो हमारी गिनती आज 100 करोड़ होती। हमें एक दूसरे से जुड़कर सबको परमात्मा से जोड़ना है। सिख का मतलब जो गुरू के विचारों के अनुरूप चले वही सिख है। ज्ञानी करनैल सिंह गरीब ने कि जब तक अंदर की आत्मा को भक्ति व ज्ञान का स्नान नहीं कराओगे तब तक ऊपरी स्नान से कोई लाभ नहीं होगा। हमें गुरू की शिक्षाओं के अनुरूप चलने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सिख संगत के कार्यकारी अध्यक्ष गुरबचन सिंह मौखा ने संबोधित करते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने बढ़ई का काम करने वाले भाई लालो जी के भोजन को दूध के समान बताते हुए प्रसन्नता पूर्वक ग्रहण किया वहीं पर उसे गांव के जमींदार मलिक भागों के लूट और बेईमानी द्वारा कमाए गए भोजन को खून के समान बताते हुए अस्वीकार कर दिया 7 जहां शक्ति होगी वहीं समृद्धि होगी = सुभाष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष जी ने कहा कि महाकुम्भ में लालो जी के लंगर के माध्यम से एक महायज्ञ संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में अब तक 62 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। प्रयाग की धरती से संतों ने कहा कि धर्म की जय हो। धर्म यानि जो सबका सम्मान करता है सबको साथ लेकर चलता है। वही धर्म है। नारी का सम्मान होना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित सिखों को संबोधित करते हुए क्षेत्र प्रचार प्रमुख ने कहा कि केवल पंजाब ही नहीं सम्पूर्ण भारत हमारा है। सभी सनातनी हमारे हैं। सद्भाव होगा तभी हमारे साथ शक्ति खड़ी होगी। जहां शक्ति होगी वहीं समृद्धि होगी। विश्व का कल्याण हो। इतना बड़ा चिन्तन केवल सनातनी ही मानकर चलते हैं। इसलिए संगठन गढ़े चलो सुपंथ पर बढ़े चलो भला हो जिसमें देश का वह काम सब किये चलो। इन्हें किया गया सम्मानित सरदार इकबाल सिंह, सरदार मुख्तार सिंह, स्वामी विश्वानंद स्वामी गोविंदाचार्य,सरदार परमजीत सिंह बग्गा,सरदार सत्येन्द्र सिंह, डा.मंजीत सिंह खालसा, इन्द्रेश, सरदार सुरिन्दर सिंह, उदय सिंह, अमरेन्द्र श्रीवास्तव, दिलीप कुमार, सरदार कुलविंदर सिंह व सरदार परविंदर सिंह के अलावा कई लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सरदार जसवीर सिंह एवं सरदार मलकियत सिंह बाजवा जी ने सभी सेवादार एवं साधु संतो का आभार प्रकट किया।

संपादकीय

अमेरिकी अपमान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं

कांग्रेस लगभग अकेली है सामाजिक न्याय की लड़ाई मेंकांग्रेस रू विश्वासघातियों का फोटो लगाने से अच्छा संदेश नहीं जो भारतीय जनता पार्टी यूएसऐड से मिले 21 मिलियन डॉलर की मदद के नाम पर कांग्रेस को फंसाने का जाल बुन रही थी, अंततरू उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फंस गये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गम्भीर संकट में डाल दिया है कि श्यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है।श् इसे लेकर जहां भाजपा के प्रवक्ताओं, उसके आईटी सेल और ट्रोल आर्मी को सांप सूंघ गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है। अब तक ट्रम्प के बयान की न तो भाजपा या केन्द्र सरकार ने पुष्टि की है और न ही खंडन, परन्तु अब गेंद सीधे मोदी के पाले में है। केवल उन्हीं की ओर से इस बाबत कोई बयान आने का महत्व होगा। ट्रम्प का यह बयान मोदी को केवल राशि मिलने तक सीमित न होकर अनेक अर्थ खोलता है। यह मामला कहां तक जायेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन इससे मोदी बुरी तरह से घिरते साफदिखाई देते हैं। इसका पहला संकेत तो यही है कि ट्रम्प के आरोपों का किसी के पास कोई जवाब नहीं है। इस मामले के कई आयाम हैं। पहला यह कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास मोदी के विरूद्ध बहुत बड़ा मामला हाथ लग गया है। चूंकि मोदी ट्रम्प के साथ अपनी मित्रता का बार-बार दावा करते रहे हैं, इसलिये उनकी पार्टी तथा समर्थक यह आरोप भी नहीं लगा सकते कि उनके या भारत के खिलाफ कतिपय ताकतें काम कर रही हैं, जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर कह दिया जाता है। अमूमन इस तरह के आरोप लगने पर इसे श्विदेशी ताकतों का हाथ बताया जाता हैश् अथवा श्विपक्ष के इशारे पर रची जाने वाली साजिशश। अब तो उन पर दबाव है कि उन्हें खुद को पाक-साफ साबित करना है। ऐसा करने के लिये उन्हें ट्रम्प को झूठा साबित करना होगा। खुद के अलावा सभी विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचारी करार देने वाले मोदी निरूत्तर हैं। भारत सरकार के ही वित्त मंत्रालय ने अपने रिकॉर्ड्स की छानबीन कर कह दिया है कि यूएसऐड की मदद से देश में 7 परियोजनाएं तो चल रही हैं परन्तु उनमें वोटर टर्नआउट बढ़ाने को लेकर कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इससे यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या इस राशि को छिपाया गया है या किसी गलत तरीके से लिया गया है जिससे सीधे मोदी अथवा भाजपा को लाभ मिला है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे चिंताजनक बतलाते हुए कहा कि श्इसकी जांच हो रही है जिससे सच्चाई सामने आ जायेगी। इस राशि का प्रदाय वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिये किया गया है, अतरू इसे पिछले दिनों हुए विभिन्न चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ने से जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक राज्यों के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान समाप्त होने के समय जो प्रतिशत होता था, वह अगले तीन-चार घंटों में बड़े पैमाने पर बढ़ जाता था। यह माना जाता है कि इसके कारण अनेक राज्यों में हारती हुई भाजपा को सरकार बनाने में मदद मिली थी। महाराष्ट्र में तो हिमाचल प्रदेश की आबादी के बराबर के मतदाता पांच माह की अल्प अवधि में बढ़ गये। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में भी कहा जाता है कि भाजपा ने करीब 80 सीटें मैनेज कीं वरना वह सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी। तो क्या यह 21 मिलियन की राशि इस तरह से वोटर टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर खर्च की गयी जिससे भारत के कई चुनाव प्रभावित किये गये? यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से मोदी व भारत के बारे में या उन्हें प्रभावित करने वाले बयानों की श्रृंखला में ट्रम्प ने बैलेट पेपर की भी बात छेड़ दी है जिसके बारे में अनुमान है कि उनका इशारा भारत की चुनाव प्रक्रिया की ओर ही है जो पिछले कुछ समय में जबर्दस्त विवादों में है। जिन चुनावों की बात ऊपर की गयी है, उनमें गड़बड़ियां और कथित हेरा-फेरी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ही की गयी हैं। देश में इसका जबर्दस्त विरोध हो रहा है जबकि भाजपा, केन्द्र सरकार और उसके इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ईवीएम के जरिये ही चुनाव कराता है। कई विरोधी दल और सिविल सोसायटियां इसके खिलाफहैं और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही हैं। चुनाव आयोग तो इस पर विपक्ष की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं है, सुप्रीम कोर्ट से भी यह मांग नामंजूर हो चुकी है। दुनिया के ज्यादातर विकसित व लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व देश बैलेट पेपर से ही चुनाव कराते हैं। अमेरिका में भी यही प्रणाली अपनाई जाती है। देश में कई लोगों ने कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है लेकिन चुनाव आयोग का विचार इसके ठीक विपरीत है। अब ट्रम्प ने उद्योगपति एलन मस्क को कम्प्यूटरों के मामले में किसी भी व्यक्ति से अधिक जानकार बतलाते हुए उनके हवाले से कहा कि ईवीएम को प्रभावित किया जा सकता है इसलिये बैलेट पेपर के जरिये निर्वाचन पद्धति ही श्रेष्ठ है।

आजादी का दुरुपयोग

पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूट्यूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे-बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिये कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिये नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि यूट्यूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नये मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है।

दिल्ली में भाजपा सरकार के सामने हैं अनेक मुश्किल काम

डॉ. ज्ञान पाठक

> राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में है, जिसके सामने अनेक चुनौतियां हैं

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में है, जिसके सामने अनेक चुनौतियां हैं। चुनाव अभियान के दौरान भाजपा ने बहुत से चुनावी वायदे दे रखे हैं जिन्हें पूरा करना एक बहुत ही कठिन कार्य है, और विपक्ष बहुत ही सतर्क और मजबूत है। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार, जिसने 20 फरवरी को आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला, के पहले कैबिनेट फैसले और उस पर विपक्षी आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी की प्रतिक्रिया से ही स्पष्ट हो गयी।अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि उनके मंत्रिमंडल ने अपनी पहली बैठक में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने और पहली दिल्ली विधानसभा में नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 14 लंबित रिपोर्टों को पेश करने का फैसला किया है। चुनाव प्रचार में महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह देने के वायदे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस पर कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई थी, लेकिन पाया गया कि लाभ पाने के लिए महिलाओं की श्रेणी तय करने के लिए और अधिक चर्चा की आवश्यकता है।चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं से बहुत सारे वायदे करके भाजपा सत्ता में आई है, जिनमें से सबसे प्रमुख वायदा दिल्ली की हर महिला को 2500 रुपये देने का था। दिये गये वायदों को पूरा करना मुश्किल ही नहीं, बल्कि बहुत ही मुश्किल है, जैसा कि सरकार के पहले कैबिनेट फैसले में झलकता है। आप नेता और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार पर वायदा तोड़ने का आरोप लगाया, जो आप नेतृत्व की सतर्कता को दर्शाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि आप दिल्ली चुनाव में भाजपा से केवल 1.99 प्रतिशत वोटों के अंतर से हारी थी, और इसलिए आप एक निराश पार्टी नहीं बन पाई है। हार ने उन्हें राजनीतिक रूप से अति सक्रिय बना दिया है, जो कैबिनेट के फैसले के तुरंत बाद आतिशी की त्वरित टिप्पणी में झलकता है। भाजपा ने दिल्ली के लोगों को श्धोखाश् देने का मन बना लिया है, आतिशी ने आरोप लगाया। याद रहे कि हार के बाद आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने कहा था, श्हम विनम्रता के साथ जनादेश स्वीकार करते हैं...और उम्मीद करते हैं कि भाजपा दिल्ली के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरेगी।श् उन्होंने कहा कि आप एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभायेगी और दिल्ली के लोगों के लिए उपलब्ध रहेगी। केजरीवाल ने अपने विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने और भाजपा को उनके चुनावी वायदों के लिए जवाबदेह बनाने को कहा है, जैसे कि 8 मार्च तक दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये देना, मुफ्त बिजली जारी रखना, गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्कूलबनाये रखना और मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी कहा है कि आप सुनिश्चित करेगी कि भाजपा इन प्रतिबद्धताओं को पूरा करे और आप शासन के दौरान पिछले 10 वर्षों में किये गये कार्यों को जारी रखे। नयी भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट समिति की बैठक के नतीजों पर आतिशी के तीखे हमले को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। शुक्रवार को सीएम रेखा गुप्ता ने भी आरोपों का जवाब देते हुए कहा, कांग्रेस ने 15 साल और आप ने 13 साल राज किया। उन्होंने जो किया, उसे देखने के बजाय वे हमारे एक दिन पर सवाल कैसे उठा सकते हैं?... हमने शपथ लेने के तुरंत बाद पहले दिन कैबिनेट मीटिंग की और हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दी, जिसे आप ने रोक रखा था। हमने पहले दिन दिल्ली के लोगों को 10 लाख रुपये का लाभ दिया।श् देश में केवल दो राज्य थे जिन्होंने पीएम-एबीवाई (आयुष्मान भारत योजना) को लागू करने से इनकार कर दिया था और उनमें से एक आप के नेतृत्व वाली दिल्ली थी, इस आधार पर कि दिल्ली 1 करोड़ रुपये की चिकित्सा सुविधा दे रही थी, जबकि पीएम-एबीवाई केवल 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा दे रही थी। आयुष्मान भारत को मंजूरी देने वाली दिल्ली कैबिनेट के दो घटक होंगे – 5 लाख रुपये केंद्र द्वारा और 5 लाख रुपये दिल्ली द्वारा, यानी कुल 10 लाख रुपये। दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में सीएजी रिपोर्ट पेश किये जाने के मामले में सीएम रेखा गुप्ता ने आप पर हमला करते हुए कहा कि उन्हें चिंता है कि जब सीएजी रिपोर्ट सदन में पेश की जायेगी, तो बहुत से लोगों के रिकॉर्ड उजागर हो जाएंगे। विकसित दिल्ली के मिशन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले ही कहा था, श्हम इस दिशा में काम करते रहेंगे। हम एक दिन भी इंतजार नहीं करेंगे। और हम अपने हर वादे को पूरा करेंगे। इससे पता चलता है कि दिल्ली की भाजपा सरकार को आने वाले महीनों में विधानसभा और उसके बाहर सार्वजनिक राजनीतिक क्षेत्र में आप के मजबूत विपक्ष का सामना करना पड़ेगा। भाजपा नेतृत्व के पास आगे बहुत व्यस्त समय होगा। फिर भी, भाजपा के पास कुछ ऐसे फायदे हैं जो आप सरकार के पास नहीं थे। उदाहरण के लिए, दिल्ली सरकार के अधिकारी आप के मंत्रियों की भी नहीं सुनते थे, क्योंकि वे सीधे उपराज्यपाल के अधीन थे, अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के अधीन। इसके कारण आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार का कामकाज बाधित हो रहा था। बदले हुए परिदृश्य में, जब दिल्ली और केंद्र दोनों जगह भाजपा की सरकार है, उपराज्यपाल और उच्च सरकारी अधिकारी बहुत सक्रिय हो गये हैं, और अब दिल्ली के लिए काम कर रहे हैं, जबकि पहले वे आप सरकार के सामने बाधाएं खड़ी कर रहे थे।

ट्रंप के खुलासों पर मोदी की चुप्पी क्यों?

शकील अख्तर

ट्रंप अच्छी दोस्ती निभा रहे हैं हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी से! माय डियर फ्रेंड कह कह कर रोज नए खुलासे कर रहे हैं। अब चौथी बार 18 मिलियन डालर की बात कही। कहां गया यह पैसा? किसके पास आया यह तो अब सवाल ही नहीं। प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने खुद कहा कि माय डियर फ्रेंड मोदी को दिया। मगर मोदी जी ने क्या किया? क्यों लिया? राहुल को बदनाम करने के लिए? राहुल ने खुद कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए भाजपा ने हजारों करोड़ रुपया खर्च किया। कांग्रेस के मीडिया डिपार्टमेंट के चेयरमेन पवन खेड़ा ने कहा कि 2021 से 2024 के बीच अमेरिका से 650 मिलियन डालर (करीब 600 करोड़ रुपया) भारत आया। और राहुल ने जो बात कही कि कितना पैसा उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया है वह इस बीच कही थी। 2022 में। अपनी भारत जोड़ो यात्रा के आखिरी दौर में। कांग्रेस ने मोदी सरकार से सही मांग की है कि सरकार को व्हाइट पेपर लाना चाहिए। मतलब सारे तथ्य देश के सामने रखना। यह भारत की छवि के लिए भी जरूरी है। प्रधानमंत्री पद के सम्मान और उसकी गरिमा के लिए भी। कोई चाहे वह अमेरिकी राष्ट्रपति ही क्यों न हो कैसे इस तरह की बात कर सकता है? सवाल बहुत सारे हैं! लेकिन दो दिन से पूरी तरह चुप्पी है। पवन खेड़ा जो इस मामले में रोज नए सवाल कर रहे हैं, ने बहुत कठोर होकर कहा कि संघी पत्रकार अब क्यों नहीं बोल रहे हैं? अपनी मेहनत और निडरता से जनता के बीच लोकप्रिय नेता के तौर पर स्थापित हो गए राहुल गांधी के साहसिक सवालों का असर अब पार्टी में दिख रहा है। सब तो नहीं मगर कई नेता हिम्मत के साथ संघ की सच्चाइयां लोगों के सामने लाते हैं। राहुल पर तो संघ और भाजपा के लोगों ने देश भर में दर्जनों मुकदमे लगा रखे हैं। मगर राहुल उनसे डरने के बदले मामलों के सारे तथ्य सामने लाने की मांग कर रहे हैं। अभी पूना की एक अदालत में सावरकर की मानहानि के मामले में राहुल ने कहा कि सावरकर के मामले में पूरे तथ्य अदालत के सामने आना चाहिए। तथ्य और कानून दोनों के जटिल सवाल हैं। गहन और विस्तृत जिरह की जरूरत है। ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। सब सामने लाना है। इसलिए मुकदमे की प्रवृति बदली जाकर इसे समन मामले के रूप में सुना जाए। सावरकर की ऐतिहासिक और अकादमिक जांच हो जाए। संक्षेप में समन मामले में राहुल यह बता सकेंगे कि उन्होंने जो कहा था वह क्यों कहा था। उसके आधार क्या थे। दस्तावेज कौन से हैं। इतिहास, तथ्य क्या कहता है। मतलब राहुल सावरकर के मामले में सारी सच्चाइयां सामने रख कर कह सकते हैं कि मैंने इस आधार पर सावरकर पर बोला था। यह बहुत साहस का काम है। मुकदमे से डरना नहीं बल्कि उसका सामना करते हुए सारी सच्चाइयां सामने रख देना। यह मौका होगा। मुकदमा करने वाले संघ, भाजपा के लोग भी सावरकर के बारे में तथ्य रखें और राहुल कांग्रेस भी। एक बार अदालत के सामने सावरकर की सारी हकीकत कि कितनी बार उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। उनके लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की थी। इसके बदले पेंशन ली। सब सामने आ जाएगा। यह भी कि जो वीर कहते हैं। वह भी सावरकर खुद ही अपने नाम के साथ लिखते थे। तो राहुल का यह साहस अब पार्टी में दिखने लगा है। अभी कुछ साल पहले तक इसी पार्टी में यह हालत थी कि राहुल विरोधी नेता नेहरू की बात करने पर कह देते थे हम नेहरुवादी नहीं। कांग्रेस ऐसे ही बरबाद नहीं हुई है। यूएसएड के जरिए अमेरिका से आने वाला डालर मनमोहन सिंह सरकार को अस्थिर करने के लिए भी खर्च किया गया था। कांग्रेस यह तो कहती है कि वह पैसा अन्ना हजारे, संघ, भाजपा के नेताओं, केजरीवाल को मिला। मगर इस सवाल का जवाब उसके पास क्या है कि सरकार तो उसकी थी। पैसा आया कैसे? बंटा कैसे? उसकी सरकार और नेता क्या कर रहे थे? क्या राहुल विरोध उस समय से शुरू नहीं हो गया था? क्या कुछ राहुल विरोधी कांग्रेस के बड़े नेता भी अंदर से अन्ना हजारे के आंदोलन के समर्थक थे? इन सवालों से कांग्रेस को घबराना नहीं चाहिए।

अगर नई कांग्रेस बनाना है तो उन नामों की निशानदेही करना होगी जिन्होंने कांग्रेस और यूपीए सरकार में रहकर मनमोहन सिंह सरकार को कमजोर किया। राहुल की असली परीक्षा है यह कि वह जिस ताकत से मोदी से लड़ रहे हैं उतनी ही हिम्मत से पार्टी के अंदर के विभीषणों की पहचान करें। सिर्फ अध्यक्ष खरगे जी से कहने से काम नहीं चलेगा कि खरगे जी चाबुक चलाइए। नाम लिखकर दें। फिर देखिए खरगे जो खुद इस समय बहुत साफ-साफ पार्टी, संगठन के बारे में लगातार बोल रहे हैं वह किस तेजी से सफाई करते हैं। यह ऐतिहासिक मौका है। इस समय भी अगर राहुल और खरगे ने ऊपर-ऊपर ही काम किया तो पार्टी इससे मजबूत नहीं होगी। दोनों काम साथ करना होंगें। पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को दरवाजे के बाहर तक ले जाकर छोड़ना होगा। और मजबूत विचारधारा के मौका न पाए नेता कार्यकर्ताओं को ढूंढकर संगठन में लाना होगा। इतना पिटने के बाद भी आज कांग्रेसी गांव-गांव मोहल्ले-मोहल्ले में है। वह नहीं डरता। नेहरू-गांधी की विचारधारा से जुड़ा है। और इस गांधी-नेहरू परिवार से। यही कांग्रेस की ताकत है और कोई पार्टी होती तो अभी तक खत्म हो जाती। बड़े नेताओं ने तो कोई कसर छोड़ी नहीं। अभी भी शशि थरूर जैसे लोग जिन्हें पार्टी ने सब कुछ दिया। मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री बनाया। जहां वे खर्च कम करने के लिए मंत्रियों को जहाज के सामान्य क्लास में बैठने की बात की ऐसी प्रतिक्रिया देते हैं कि यह सामान्य क्लास तो कैटल क्लास (ढोरों का बाड़ा) है। केरल से पार्टी जिताती है। जो केरल की राजनीति नहीं जानते उनके लिए कि वहां कोई अपनी हैसियत से नहीं जीत सकता। पार्टी का संगठन ही उस पढ़े-लिखे राज्य में महत्वपूर्ण है। मेट्रो मेन कहलाने वाले श्रीधरन वहां हार गए थे। क्योंकि जिस पार्टी से लड़े थे भाजपा से उसकी जमीन नहीं है। थरूर को पार्टी जिताती है। तो थरूर जैसे नेता जो ज्यादा उड़ते हैं चाहे जब मोदी की तारीफकरने लगते है उनसे कांग्रेस को डरना छोड़ना पड़ेगा। अमेरिका से आए डालर पर कांग्रेस सही सवाल उठा रही है।

मेष:- पुराने गलतियो से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरे से परिजनो के दिल में जगह बनावें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें।

बृषभ:- भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मिथुन:- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरे में न गंवायें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहो की प्रतिकूलता से बिमार पड़ सकता है।

कर्क:- सब कुछ सामान्यतः ठीक होते हुए भी मन में अरुचितकर लगेगा। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट होगा। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह:- किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्ट का वातावरण रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें, नुकशान हो सकता है।

कन्या:- प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव उन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित हो सकता है। कल्पनाओं में जीना छोड़ कर भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयास करें।

तुला:- योजनाओं के फ्लीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त-मौला मन मौज मस्ती समय ब्यर्थ कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम तिब्र होगा।

वृश्चिक:- नये घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन अत्यंत प्रसन्न होगा। नये कायरे के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न शील बनें।

धनु:- नए क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव है। समस्याओ के समाधान से उत्साह में बृद्धि होगी। नए सम्बन्धों के सहयोग से आर्थिक कठिनाईयां दूर होंगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर:- सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ति में असमर्थता जैसी पूर्वाग्रह मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव पहुंच सकता है।

कुंभ:- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप का कारण बन सकता है। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

मीन:- मन को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। भाग्य से प्राप्त अच्छे-बुरे सभी परीस्थितियों के साथ समझौतावादी बनें। अपने सुख-दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें।

आरएसएस के अंग्रेज़परस्ती के इतिहास की पुनरावृत्ति है भारत-अमेरिका संबंधों का यह काल

आलेख ः अरुण माहेश्वरी।

ट्रंप-2 के शासन का अब तक का यह काल हमें अभी से भारत-अमेरिकी संबंधों के इतिहास का सबसे शर्मनाक काल दिखाई देने लगा है। इसमें सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इस शर्म के लिए अकेले ट्रंप ज़िम्मेदार नहीं है। मोदी और उनकी सरकार भी अगर ज़्यादा नहीं, तो कम ज़िम्मेदार भी नहीं है। ट्रंप ने तो अपने चुनाव अभियान के दौरान ही पारस्परिक आयात शुल्क के अपने इरादे को साफ़ तौर पर कहा था। इसी प्रकार, अवैध आप्रवासियों से अमेरिका को मुक्त करने की अपनी पुरानी नीति को भी दोहराया था। पर ट्रंप की इन नीतियों की दुनिया के दूसरे देशों ने कोई परवाह नहीं की, क्योंकि अन्य सभी राष्ट्रों को अपनी स्थिति और दुनिया में राष्ट्रों की परस्पर निर्भरता का एक सटीक अनुमान है। कोई भी अपने अस्तित्व को पूरी तरह से अमेरिका से जोड़ कर नहीं देखता है। ट्रंप ने अपने पहले शासन के चार सालों में भी मेक्सिको से अवैध घुसपैठ को रोकने और अवैध आप्रवासियों को लेकर राजनैतिक उत्तेजना पैदा करने की कम कोशिश नहीं की थी। पर देखते-देखते उनके चार साल थोथी फुत्कारों में ही बीत गए। अमेरिका की इस कथित समस्या का जरा भी निदान संभव नहीं हुआ। सारी दुनिया जानती है कि आप्रवासी का मसला सिर्फ़ दो देशों का मसला नहीं, मानव सभ्यता के इतिहास से जुड़ा हुआ मसला है। अमेरिका की सच्चाई तो यह है कि उस देश को आप्रवासियों ने ही आबाद, निर्मित और विकसित किया है। हाल के साल तक भी अमेरिका के विकास के हर पन्ने को, वह भले कृषि को लेकर हो या उद्योग को लेकर या डिजिटल क्रांति को लेकर, लिखने में आप्रवासियों की, अन्य देशों के वैध-अवैध श्रमिकों की प्रमुख भूमिका रही है। यह अकारण नहीं है कि अमेरिका अपने देश को ‘अवसरों का देश’ के रूप में प्रचारित कर दुनिया भर के महत्वाकांक्षी युवकों को आकर्षित करता रहा है! भारत सहित अन्य देशों से नाना उपायों से वहाँ पहुँचने वाले आप्रवासी वहाँ अपराधों, लूट-मार या हत्याएं करने के लिए नहीं जाते हैं, अपनी बुद्धि और श्रम के बल पर उस देश के निर्माण में भाग लेकर अपने जीवन को सुधारने के लिए जाते हैं। आप्रवासियों के आने के साथ सिर्फ़ उन आप्रवासियों का ही नहीं, उन देशों के स्वार्थ भी किसी-न-किसी रूप में जुड़े होते हैं जिन देशों को उन्होंने अपना भाग्य आजमाने के लिए चुना है। इसीलिए मानव सभ्यता के विकास के इतिहास को भी आप्रवासी का इतिहास कहा जाता है। इस विषय पर ट्रंप के पहले चार साल के शासन की विफलता ही उसकी तयशुदा नियति थी। और, आगे भी इस मसले पर ट्रंप लगातार राजनीतिक उत्तेजना तो पैदा करते रहेंगे, पर कभी भी इसमें उन्हें कोई बहुत बड़ी सफलता नहीं मिल पाएगी। इसी प्रकार का ट्रंप का दूसरा बड़ा मसला है पारस्परिक आयात शुल्क का मसला। यह समस्या भी मूलतः मानव इतिहासों से जुड़ी एक और समस्या ही है। जैसे द्वितीय विश्व युद्ध में तबाह हो चुके पूरे यूरोप के पुनर्निर्माण के लिए मार्शल योजना और विश्व बैंक, आईएमएफ़ की तरह की ब्रेटनवुड संस्थाओं को सस्ते ऋणों आदि के साथ सामने आना पड़ा था। बिल्कुल उसी तर्ज़ पर वैश्विक असमानता के शिकार दुनिया के विकासशील देशों में विकास की गति को तेज करने के लिए विश्व वाणिज्य संगठन को विश्व वाणिज्य की ऐसी शर्तों को स्वीकारना पड़ा हैं, जिनमें आयात शुल्कों के ज़रिए विकासशील देश अपने लिए ज़रूरी पूंजी जुटा सकें और अपने बाजारों को बड़ी ताक़तों के नीतिगत दबावों से मुक्त रख सकें। इन व्यवस्थाओं ने दुनिया में कमज़ोर और शक्तिशाली राष्ट्रों के परस्पर हितों के बीच एक संतुलन बनाए रखने में एक असरदार भूमिका अदा की है और दुनिया में स्थिरता बनाए रखने का काम किया है। शांति और स्थिरता समूची मानवता के विकास की एक अनिवार्य शर्त है। यही वजह है कि आज अमेरिका के स्तर की महाशक्ति यदि दुनिया में स्थिरता को ख़त्म करने का काम करती है, तो वह सबसे ज़्यादा अपना ही नुक़सान करेगी। ट्रंप का पारस्परिक आयात शुल्क का एक हथियार की तरह प्रयोग करने की योजना अंत में एक दिखावा ही साबित होगी, क्योंकि खुद अमेरिका के आर्थिक-राजनीतिक हित इस मामले में उसके खिलाफ उठ खड़े होंगे। इसीलिए ट्रंप के पारस्परिक आयात शुल्क और उससे संभावित वाणिज्य युद्ध को लेकर चीन, रूस सहित यूरोप तक ज़्यादा चिंतित नहीं है। इस दिशा में ट्रंप के कदमों के अनुपात में ही वे अपनी तात्कालिक और दूरगामी नीतियाँ तैयार करने की रणनीति अपनाए हुए हैं। इस पूरे परिप्रेक्ष्य में विचार का यह एक गंभीर सवाल है कि ट्रंप के क्रियाकलापों से भारत ही क्यों इतना ज़्यादा परेशान हो रहा है? क्यों ट्रंप भारत के अवैध आप्रवासियों को अन्य देशों के आप्रवासियों की तुलना में ज़्यादा सता रहे हैं और उनकी यातनाओं का सारी दुनिया के सामने प्रदर्शन भी कर रहे हैं? क्यों मोदी को ट्रंप बार-बार अपमानित करते हैं? सबसे पहले तो मोदी की लाख कोशिश के बावजूद उन्हें अपने शपथ ग्रहण के आयोजन में आने नहीं दिया। और बाद में जब उन्हें बुलाया भी, तो समूचे प्रेस के सामने भारत को 卐टैरिफ़ किंग卐 बता कर मोदी को सीधे धमकी दे दी कि वे भारत को बख़्शेंगे नहीं। भारत पर अमेरिका से हथियार और ऊर्जा ख़रीदने के लिए खुले संवाददाता सम्मेलन में दबाव डाला। ऐसा करते हुए वे बार-बार मोदी पर 卐माई डीयर फ्रेंड卐 के व्यंग्य का तीर छोड़ने से भी नहीं चूक रहे हैं! इस स्थिति पर विचार करने पर एक बात साफ़ नज़र आती है कि मोदी के प्रति ट्रंप के इस रवैये के मूल में कहीं-न-कहीं उनके मन अपने इस ‘मित्र’ के प्रति गहरी वितृष्णा का भाव काम कर रहा है। ऐसा लगता है कि मानो ट्रंप ने मोदी के चरित्र की उस प्रमुख कमजोरी को पहचान लिया है, जिसमें अपनी कोई चमक नहीं है, वह हमेशा अमेरिका और ट्रंप के प्रकाश से खुद को चमकाने की फ़िराक़ में रहता है। शायद मोदी के अडानी वाले रोग की भी उन्होंने शिनाख्त कर ली है। वे जान गए हैं कि मोदी उस दास भाव के शिकार हैं, जो मालिक की दुत्कारों से ही उसके प्रति हमेशा विश्वसनीय बना रहता है। ऐसे भाव में जीने वाले को बराबरी का दर्जा देना उसे ख़तरनाक बनाने जैसा है। इसीलिए ट्रंप ने एलेन मस्क, उनकी प्रेमिका, बच्चों और बच्चों की आया के साथ मोदी की बैठक कराई!! अमेरिकी प्रशासन ने भी यह देख लिया है कि मोदी का जितना अपमान किया गया, वे उतना ही ज़्यादा मुस्कुराते हैं और अमेरिका को आयात शुल्क के मामलों में उतनी ही ज़्यादा रियायतें एकतरफ़ा ढंग से देते जा रहे हैं। अमेरिका जाने के पहले ही अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क में कमी शुरू हो गई थी। मस्क परिवार से मुलाक़ात के बाद उसकी टेस्ला गाड़ियों पर आयात शुल्क को 115 प्रतिशत से कम करके सिर्फ़ 15 प्रतिशत कर दिया गया है। इस प्रकार, अभी के अमेरिका-भारत संबंधों में जो अजीब क़िस्म की विकृति दिखाई देती है, उसके मूल में अकेले ट्रंप नहीं, हमारे मोदी जी भी एक प्रमुख कारक है।आरएसएस की पुरानी नीति, कि अंग्रेज़ों की कृपा से भारत में सत्ता हासिल करो, मोदी अभी ट्रंप पर आज़मा रहे हैं और बदले में चाहते हैं कि उन्हें ‘विश्व गुरु’ आदि-आदि मान लिया जाए। ट्रंप ने लगता है कि मोदी के इस छद्म को पहचान लिया है और उसका लाभ लेते हुए बार-बार मोदी को उनकी औक़ात बताने से नहीं चूकते! ट्रंप और मोदी के बीच इस प्रभु-दास वाले संबंध ने ही आज अमेरिका-भारत संबंधों की सूरत इतनी बिगाड़ दी है कि हर स्वाभिमानी भारतीय को उस पर गहरी शर्म का अहसास हो रहा है। ट्रंप आगामी चार साल तक मोदी को ऐसे ही अपना व्हिपिंग ब्वाय बना कर रखना चाहेंगे। इस पूरे मामले में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि भारत में बीजेपी के ‘राष्ट्रवादियों’ ने इस पूरी खींच-तान में भारत की ब्रीफ़ को त्याग कर ट्रंप और अमेरिका की ब्रीफ़ थाम ली है।

अच्छी बातों की तरफ़ बुलाना और बुरी बातों से रोकना हर व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है- मुफ़्ती आस मोहम्मद गुलज़ार क़ासमी

➲ मदरसा बैतुल उलूम गोकुलपुर कमालपुर में दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन व दस्तारबंदी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

मेरठ। (महबूब हसन मुज़फ़्फ़रनगरी) पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान मदरसा बैतुल उलूम गोकुलपुर कमालपुर मेरठ में दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन व दस्तारबंदी समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पाँच हाफ़िज़ों की दस्तारबंदी भी की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता दारुल उलूम देवबंद के हदीस के उस्ताज़ मुफ़्ती मुज़म्मिल साहब बदायूंनी ने की। मुफ़्ती हिफ़्ज़ुर्रहमान रशीदी और मौलाना नफ़ीस अबरार साहब ने संचालन किया। सम्मेलन का प्रारंभ मुफ़्ती मुहम्मद जावेद क़ासमी साहब कमालपुरी के क़ुरान की तिलावत से हुई। मदरसे के छात्रों और छात्राओं ने नातिया कलाम, हम्द बारी ताला,6 भाषण और संवाद भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर दिल्ली से आए मुफ़्ती अब्दुस्समी साहब क़ासमी ने कहा इस्लाम संपूर्ण मानवता के लिए कोड आफ़ लाइफ़ है और क़ुरान मानवता के लिए मार्गदर्शन का स्रोत है। उन्होंने कहा कि पैग़ंबर अलैहिस्सलाम के तरीक़ों के अनुसार क़ुरान की शिक्षाओं का पालन करने में ही दुनिया और आख़िरत की सफलता निहित है। मदरसे के प्रबंधक मुफ़्ती आस मुहम्मद गुलज़ार क़ासमी साहब ने समाज में फैली बुराइयों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि अच्छी बातों की तरफ़ लाना और बुरी बातों से रोकना हर व्यक्ति की ज़िम्मेदारी है। जो व्यक्ति अपनी ज़िम्मेदारी पूरी नहीं करेगा, उससे इसके बारे में सवाल किया जाएगा। मेरठ की गुल बहार मस्जिद के इमामो ख़तीब मुफ़्ती मोहम्मद वसीम साहब ने अपने भाषण में कहा कि मदरसे धार्मिक व सामायिक शिक्षाओं के महान केंद्र हैं जो दुनिया के अंत तक क़ायम रहेंगे। उन्होंने जनता से मदरसों से ताल्लुक़ जोड़ने6 और अपने बच्चों को क़ुरान और सुन्नत से अलंकृत करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब तक जनता और मदरसों का आपसी संबंध मज़बूत रहा, तब तक उनका वर्चस्व बना रहा। अब भी समय की मांग है कि मदरसों से संबंध बनाकर उन्हें मज़बूत बनाया जाए। जामिया उल हुदा मुरादाबाद से आए मौलाना ज़ुबैर आलम साहब क़ासमी6 ने कहा कि अल्लाह का शुक्र है कि हमारे बड़ों के बलिदान का फल है कि आज देश के कोने-कोने में हज़ारों मदरसे स्थापित हैं और उनमें लाखों बच्चे और बच्चियां अपने ज्ञान की प्यास बुझा रहे हैं। अन्य वक्ताओं में मौलाना शकील अहमद साहब मदरसा एज़ज़ुल उलूम वेट हापुड़, मुफ़्ती अब्दुर्रहीम साहब कमालपुरी, प्रसिद्ध नात गो शायर मौलवी फ़ैसल मेरठी शामिल थे। मदरसे के प्रबंधक मुफ़्ती आस मोहम्मद गुलज़ार क़ासमी साहब के धन्यवाद भाषण और दारुल उलूम देवबंद के हदीस के उस्ताज़ मुफ़्ती मुज़्ज़म्मिल साहब बदायूंनी की दुआ पर सम्मेलन का समापन हुआ। सभा को सफल बनाने में मौलाना इरफ़ान साहब, क़ारी अब्दुल हसीब साहब, मुफ़्ती मोहम्मद ज़ुबैर साहब, डॉ. क़ारी नज़ाकत अली साहब, क़ारी इलियास साहब, मुफ़्ती7 अतीक़ुर्रहमान रहमान साहब, क़ारी ज़ाकिर साहब, मास्टर अकरम साहब, क़ारी शाहिद साहब, मास्टर शहादत साहब, मास्टर रुम्मान7 साहब, मास्टर नाज़मि साहब, हाफ़िज़ सैफ़ुल इस्लाम साहब और शिक्षिकाओं में मोहतरमा सुमैया सिद्दीक़ी साहिबा, मोहतरमा कैफ़िया साहिबा, और मुहतरमा अल-सबाह साहिबा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें- क़ारी महबूब हसन मुज़फ़्फ़रनगरी उस्ताज़ मदरसा इस्लामिया अरबिया बैतुल उलूम गोकुलपुर कमालपुर मेरठ यूपी

जय भोले के उद्घोष से कांवरियों का गंगा जल लेकर आना शुरू

● जगह-जगह भंडारे का आयोजन

काशीपुर। हरिद्वार से कांवड़ियों का गंगा जल लेकर आना शुरू हो गया है। इस दौरान जगह-जगह लोगों के द्वारा कांवड़ियों का स्वागत कर भंडारे की व्यवस्था की गई। हरिद्वार से कांवड़ियों का आना शुरू हो गया है। अभी पीलीभीत, बरेली समेत अन्य दूर दराज के कांवड़ियों का जत्था स्थानीय रास्ते से गुजर रहा रहा है। जहां गंगे बाबा मंदिर समेत अन्य स्थानों पर कांवड़ियों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था की गई है। इस बार कांवड़ियों के लिए अलग से रूट भी बनाया गया। ताकि कांवड़ियों को दिक्कत का सामना न करना पड़े। बतादें कि महाशिवरात्रि पर भगवान भोले का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों के जत्थे अपने-अपने गंतव्य की ओर बढ़ने लगे हैं। हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर आ रहे कांवड़िये आगामी 26 फरवरी को जलाभिषेक करेंगे। नगर क्षेत्र में हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर भक्तिमय भजनों की धुन पर थिरकते हुए कांवड़ियों के जत्थे वापस अपने गंतव्य की ओर बढ़ने लगे हैं। कांवड़ियों के पैरों में घुंघरुओं की छन-छन से पूरा शहर भक्तिमय होने लगा है। मोहल्ला कटरामालियान से जय महाकाल कांवड़ संघ इस बार 12वीं कांवड़ लगभग 5 लाख रुपये में तैयार 32 और 16 फीट ऊंची ढाई क्विंटल कांवड़ में गंगाजल लेकर आ रहा है। कांवड़ संघ के सदस्य सन्नी कश्यप ने बताया कि 11 वर्ष पहले छह युवक कांवड़ लेने गए थे। लगभग ढाई क्विंटल वजनी कांवड़ को लेकर चलने में एक बार में 12 कांवड़ियें लगते हैं जो रास्ते में बारी-बारी से बदलते जाते हैं। सन्नी ने बताया कि इस वर्ष की कांवड़ को अलग रूप दिया गया है और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। इसमें एक साथ पांच मंदिर बनाए गए हैं। संघ से जुड़े युवकों ने कांवड़ को लगभग दो महीने में तैयार किया है। कांवड़ संघ के सदस्य सन्नी ने बताया कि वे लोग मंगलवार तक काशीपुर स्थित प्राचीन मोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंच जाएंगे। बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व पर गंगाजल से जत्था अभिषेक करेगा।

कांवडियो के लिए भारतीय रेडक्रास सोसायटी ने लगाया स्वास्थ्य कैंप

काशीपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा इकाई काशीपुर के तत्वावधान में ढेला पार बैलजूडी तिराहे पर कांवड़ियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए लगाए गए निशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय के सीएमएस डा- राजीव चौहान सोसायटी चेयरमैन गुरनाम सिंह गामा ने फीता काट कर किया। सोसायटी सचिव अरुण पंत ने बताया कि शिविर में तैनात चिकित्सक एवं रेडक्रास सोसायटी सदस्य 25 फरवरी तक लगातार कांवड़ियों के स्वास्थ्य उपचार में सेवा कार्य करते रहेंगे। मुख्य अतिथि श्री डा- चौहान ने स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री भाव से रेडक्रास सोसाइटी द्वारा लगाए गए निशुल्क चिकित्सा शिविर की सराहना करते हुए शिविर के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही।

उधर ग्लोबल हास्पिटल, सोल हैल्थ केयर दवा कम्पनी द्वारा चिकित्सा शिविर के लिए दवाएं उपलब्ध कराने पर चेयरमैन श्री गामा ने उनका आभार जताया। इस दौरान उपाध्यक्ष डा- राजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष अरविंद सक्सेना, संजय शर्मा, हरीश जोशी, कौशलेश गुप्ता, जिला कोर कमेटी सदस्य सरोज ठाकुर, अनीता पंत, अधिवक्ता विपिन अग्रवाल, डा- एमए राहुल, रेघव शर्मा, मौ- आरिफ, पीयूष अग्रवाल, मुस्तकीम सलमानी, डा- अकील समेत पदाधिकारी एवं अतिथि मौजूद थे।

मेयर दीपक बाली ने सहपरिवार प्रयागराज पहुंचकर किए कुंभ स्नान

काशीपुर। महापौर दीपक बाली ने सपरिवार प्रयागराज पहुंचकर कुंभ स्नान किया और अपने देश प्रदेश एवं काशीपुर की समृद्धि एवं उन्नति की कामना की। श्री बाली अपनी धर्मपत्नी श्रीमती उर्वशी दत्त बाली एवं पुत्री मुद्रा बाली के साथ प्रयागराज पहुंचे और उन्होंने संगम में कुम्भ स्नान किया। उन्होंने सपरिवार पूजा अर्चना कर संतों का आशीर्वाद लिया एवं अपने देश प्रदेश एवं काशीपुर की समृद्धि के लिए प्रार्थना की और कुंभ में की गई शानदार व्यवस्था के लिए उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की।

महाशिवरात्रि पर आयोजित होगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नरैनी, । पचोखर गांव में आगामी 26 फरवरी को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगेगा। इस आशय की जानकारी देते हुए समाजसेवी आत्माराम त्रिपाठी ने बताया कि आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल अजीत कुमार और मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक मौजूद रहेंगे। महाशिवरात्रि पर्व के दिन पचोखर में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य कैंप लगेगा। जिसमें गांव और क्षेत्र की आमजन अपनी स्वस्थ से जुड़ी परेशानियों और समस्या समाधान का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम सुबह 11ः00 बजे आयुक्त अजीत कुमार द्वारा उद्घाटन के बाद प्रारंभ हो जाएगा इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अपना समय दे रहें हैं रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के बरिष्ठ डाक्टर एसके यादव, सोमेश त्रिपाठी, शंकर कबीर, सुनील शुक्ला, एवं महिला डाक्टर संगीता सिंह डाक्टर ऋषिका सिंह,डाक्टर एसपी सिंह,डाक्टर हिमांशु सिंह,डाक्टर संदीप कुमार सिंह डाक्टर महेंद्र सिंह सहित अनेक उच्च वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति रहेगी जो रोगियों को देखेंगे।

एसएसपी ने किया शिवरात्रि मेले का स्थलीय निरीक्षण

काशीपुर। उधम सिंह नगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने चैती स्थित शिवरात्रि मेले को लेकर देर रात जायजा लिया। जहां पर उन्होंने शिवरात्रि मेला की तैयारियों को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधीनस्थों को मेला सकुशल संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शिवरात्रि मेला के दौरान असमाजिक तत्वों पर विशेष ध्यान देना बेहद आवश्यक है। इस दौरान एएसपी अभय सिंह, सीओ दीपक कुमार, कोतवाल अमरचंद सिंह, एसएसआई अनिल जोशी, आईटीआई थाना प्रभारी कुंदन रौतेला समेत अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

मऊ मानिकपुर विधायक ने किया लघु सेतु निर्माण का भूमि पूजन

चित्रकूट, । मऊ मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने रविवार को क्षेत्र में लघु सेतु निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। दशकों से हर साल बाढ़ में मऊ से तरहार क्षेत्र के कई गांवों का संपर्क कट जाता था, जिससे स्थानीय लोगों, विशेष रूप से छात्रों व मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। विधायक द्विवेदी ने विगत वर्षों से शासन स्तर पर इस समस्या के समाधान की मांग उठाई थी। मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद नाबार्ड वित्त पोषित आरआईडीएफ-30 योजनांतर्गत 247 लघु सेतु परियोजनाओं को स्वीकृति मिली, जिसमें मऊ मानिकपुर विधानसभा के कई पुलों का भी समावेश किया गया। जिसमे नगर पंचायत मऊ स्थित सेसा सुबकरा के सुराही नाला, परेथा नाला एवं ग्राम पंचायत तिगरा के पास बरियारी नाला पर सेतु निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। विधायक द्विवेदी ने कहा कि इन पुलों के निर्माण से क्षेत्र के गांवों को जोड़ने में मदद मिलेगी व बाढ़ में होने वाली समस्याओं से स्थायी राहत मिलेगी। कार्यक्रम में सैकड़ों लोग, जनप्रतिनिधि एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

उदासीन आश्रम काशीपुर में होगी 26 से 27 फरवरी तक विशेष आराधना

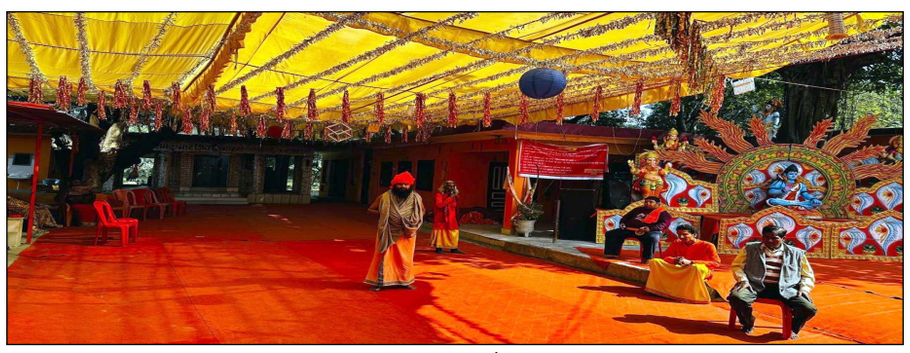

काशीपुर। श्री गंगे बाबा मंदिर उदासीन आश्रम काशीपुर में परम अभद्यूत श्री गंगे बाबा महाराज जी की कृपा एवं श्री श्री 1008 श्रीमान श्री महंत ब्रह्मऋषि जी महाराज के आशीर्वाद से एवं श्री श्री 108 मंहत श्री दयानंद जी महाराज के मार्गदर्शन में श्री गंगे बाबा मंदिर के मंहत श्री श्री 108 मंहत श्री लखनदास जी महाराज के सानिध्य में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा 26 फरवरी, बुधवार की रात्रि को सायं 8 बजे से 27 फरवरी बृहस्पतिवार की प्रातः 6 बजे तक भगवान शिव की चार प्रहर की विशेष आराधना संपन्न होगी। इस पूजा में श्रद्धालु अपने हाथों से भगवान शिव का अभिषेक कर शिव कृपा प्राप्त करेंगे। महाशिवरात्रि का पर्व हर वर्ष फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर लाखो की संख्या में कावंरिये हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने अपने गंतव्य पर पहुंचकर व्रत, रात्रि जागरण, जलाभिषेक और शिव पूजन करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि की रात भगवान शिवलिंग रूप में प्रकट हुए थे, और इसी दिन उनका विवाह देवी पार्वती से संपन्न हुआ था। यह पर्व भक्तो को शिव तत्व की अनुभूति कराने और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने तन, मन, धन से भगवान शिव के भक्तो और कांवड़ियों की सेवा में अपना विशेष योगदान दिया है, एवं जलपान, चिकित्सा सहायता, रात्रि विश्राम, भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन कर पूरे आयोजन को भव्य ओर दिव्य बनाया है, वे सभी श्रद्धालु 4 प्रहर की पूजा में सम्मिलित होकर भगवान शिव-पार्वती की आराधना एवं पूजा करेंगे। श्री गंगे बाबा मंदिर उदासीन आश्रम ऐसे सभी भक्तो को इस विशेष पूजा में सम्मिलित होने को सादर आमंत्रित करते हैं, आयोजित यज्ञ में अधिक से अधिक शिवभक्त महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की कृपा प्राप्त करें और अपने जीवन को शिवमय बनाएं।

संदिग्ध परिस्थितियो में मासूम की मौत

➲ मटौंध थाना क्षेत्र के हरदोनी गांव का मामला, पुलिस कर रही जांच
➲ पति और पत्नी एक-दूसरे पर लगा रहे बेटी की हत्या का आरोप

बांदा, । संदिग्ध परिस्थितियो में मासूम की हालत बिगड़ गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरो ने उसे देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालो में कोहराम मच गया। मृतका के माता पिता ने एक दूसरे पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मर्चरी हाउस पहुंच कर नमूना लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो डॉक्टरो के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया। मटौध थाना क्षेत्र के हरदोनी गांव निवासी समीम की ढाई माह की बेटी चाहत शनिवार की देर शाम बेड पर लेटी थी। कुछ देर बाद मौके पर पहुंची चाहत की मां शकीला ने देखा तो वह अचेत पड़ी थी। पति ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर एसआई गजेंद्र मौके पर पहुंच गए। जीबित होने की आशंका पर चाहत को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता समीम ने बताया कि वह हैदराबाद में मजदूरी करता है। वह 2 फरवरी को गांव आया था। उसके माता पिता की बचपन में मौत हो गई थी। वह अपने पिता के अकेला है। गांव में उसकी पत्नी शकीला खातून अपनी मासूम बेटी के साथ घर पर रहती है। पति के मुताबिक रात को पत्नी ने उससे कहा कि वह दूसरे कमरे में लेट जाए। वह ताला लगा कर पड़ोसी के यहां जा रही है। उसका मौसेरा भाई बाइक लेने आ रहा है। ताला देख कर वह लौट जाएगा। कुछ देर बाद शकीला आ गई। उसने देखा तो चाहत मृत पड़ी। थानाध्याक्ष मटौध संदीप पटेल का कहना है कि मामला संदिग्ध है। पति पत्नी एक दूसरे पर हत्या का आरोप लगा रहे है। फिर हाल मामूम के कोई चोट नही थी। बताया कि मासूम बेटी पर कंबल ओटे लेटी थी। आशंका है कि दम घुटने से उसकी मौत हो सकती है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में प्रधान प्रतिनिधि शमीम अहमद ने बढाया योगदान का हाथ

➲ हेलमेट वितरण कर पुलिस व प्रधान ने जीवन सुरक्षा का दिया संदेश

बस्ती। पुलिस लगातार वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए अभियान चला रही है। एतवार को बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चला रहे चालकों को पुलिस ने जागरूक किया। पुलिस ने उन्हें हेलमेट दिए जिन दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट लगा रखा था पुलिस ने माला पहना कर सम्मानित किया गया प्रधान प्रतिनिधि शमीम अहमद के योगदान से हेलमेट वितरण किया गया।

पैकोलिया थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार यादव पुलिस बल के साथ मिलकर तेनुआ चौराहे पर वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया। इस दौरान बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चला रहे चालकों को पुलिस ने यातायात नियमों की जानकारी दी और उन्हें मुफ्त में हेलमेट भी दिए। साथ ही पुलिस ने ऐसे दो पहिया वाहन चालकों का माला पहना कर स्वागत किया, जिन्होंने हेलमेट लगा रखे थे। इस दौरान पुलिस ने पब्लिक एनाउंस सिस्टम के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की जानकारी दी। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि शमीम अहमद, प्रधान अमजद अली, प्रधान इसरार, सहित अन्य पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

भीम आर्मी ने मनाई संत गाडगे जी की 149वीं जयंती

चित्रकूट, । भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को संत गाडगे जी की 149वीं जयंती धूमधाम से मनाई। जयंती पर कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भीम आर्मी के जिला संयोजक संजय गौतम ने कहा कि संत गाडगे जी वैज्ञानिक सोच के समर्थक थे। उन्होंने जीवनभर अंधविश्वास, कुरीतियों, छुआछूत और सामाजिक भेदभाव का विरोध किया तथा दलितों, असहायों और निर्बलों की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस मौके पर आसपा जिला अध्यक्ष कुंवर सिद्धार्थ, भीम आर्मी जिला महासचिव श्रीपाल प्रजापति, आसपा विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव, विनोद वर्मा, लक्ष्मण पटेल, राजबहादुर वर्मा, विकास वर्मा, राजकुमार वर्मा, राधेश्याम प्रजापति और लवकुश श्रीवास समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

बिजली के करन्ट से मृत युवक के परिजनों से मिले सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर एस पटेल

➲ हादसे के लिए जिम्मेदार बिजली विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने को कहा

नरायनपुर,मिर्जापुर। नरायनपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत बाईपास पुल नरायनपुर के पास टुट कर गिरे हाईवोल्टेज तार की चपेट में आने से गंगा नहर पर शौच कर रहे भभुआर गांव निवासी गुड्डू सोनकर पुत्र नरेश सोनकर की मौत की सूचना मिलने पर सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.आर एस पटेल ने मृतक के घर जाकर शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।श्री पटेल के मृतक के घर पहुंचते ही घर की महिलाएं करुण क्रंदन कर विलाप करने लगीं। मृतक की बड़ी बेटी नन्दिनी आयु छः वर्ष रोते रोते अचेत हो गई।श्री पटेल ने मृतक की पत्नी, मां और पिता को ढांढस बंधाया।श्री पटेल ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि शाम तक बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करायें। यदि अदलहाट थाना प्रशासन मुकदमा दर्ज नहीं करता है तो अगले दिन थाना पर दो सौ कार्यकर्ताओं के साथ धरना प्रदर्शन होगा।

आमझर पंचायत के मुखिया ने शराब के नशे में तीसरा थाना के ए एस आई के साथ की गाली गलौज धक्का मुकी

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

तिसरा /धनबाद। बलियापुर प्रखंड के आमझर पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र रवानी ने शराब के नशे में रविवार की देर रात जयरामपुर मोड़ के समीप तीसरा थाना के ए एस आई राजनाथ सिंह के साथ गाली गलौज धक्का मुकी एवं बदसलूकी किया। गश्ती दल के पुलिस एवं थाना प्रभारी ने मुखिया एवं उनके सहयोगी को स्कॉर्पियो सहित तीसरा थाना लाए रात भर दोनो लोगों को थाना में बंद किया गया सुबह माफी मांगने के बाद दोनों को छोड़ा गया घटना की चर्चा क्षेत्र में जोड़ों पर है लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि का यह हाल रहेगा तो समाज में क्या संदेश जाएगा। बताते हैं कि रविवार की रात मुखिया धर्मेंद्र रवानी अचानक स्कॉर्पियो में बैठकर जयरामपुर मोर के समीप एक होटल में आए होटल संचालक से शराब मांगा चुकी मुखिया एवं उनके साथी पहले से शराब पिए हुए थे होटल संचालक ने शराब देने से इनकार किया मुखिया ने होटल संचालक एवं बगल में मौजूद पुलिस गश्ती दल के जवानों को गाली देना प्रारंभ किया इतने में एक पुलिस अधिकारी राजनाथ सिंह

मना किया तो उनके साथ धक्का मुक्की एवं गाली गलोज करना शुरू कर दिया इसकी सूचना थाना प्रभारी तीसरा सुमन कुमार को लगी थाना प्रभारी एवं अन्य लोग मुखिया को गिरफ्तार कर थाने लाए रात भर थाने में रखे गए मुखिया की गिरफ्तारी खबर सुनकर आमटाल के मुखिया संजय गोराई मकुन्दा ग्राम पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि हीरालाल गोराई, भारतीय जनता पार्टी के वीरंची सिंह बसंत मुखर्जी प्रवीर मुखर्जी, नवीन मुखर्जी श्री राम गोराई, संतोष रवानी मिंटू साव एवं समाज के कई लोग पहुंचे थाने में काफी देर तक बातचीत होता रहा बाद में थाने में मुखिया ने एक लिखित आवेदन दिया जिसमें लिखा कि बीती रात शराब के नशे में जयरामपुर मोर अपने संबंधी कृष्ण प्रसाद महतो के साथ आया था तीसरा थाना के गश्ती दल के साथ गाली गलौज किया भविष्य में ऐसा गलती नहीं करूंगा ऐसा गलती करने पर मुझ पर कानूनी कार्रवाई होगी लिखित आवेदन में माफी नामा देने के बाद दोनों को थाना से छोड़ा गया। मुखिया ने इसके पूर्व भी तीसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार के साथ बादशालुकी की किया था लेकिन उस बार थाना प्रभारी ने चेतावनी देकर छोड़ दिया था। मुखिया की इस करतूत का क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि ही अधिक शराब पियेंगे तो आम लोगों का क्या होगा। इधर जिले के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि ने इस मामले में पुलिस प्रशासन के एक वरीय अधिकारी से बात की पैरवी लगी इसके बाद मुखिया को छोड़ा गया। तीसरा थाना प्रभारी ने मुखिया धर्मेंद्र रवानी का मेडिकल टेस्ट भी कराया जिसमें शराब पीने का जिक्र है। इधर इस संबंध में तीसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने कहा कि मेरे पुलिस प्रशासन के गश्ती दल के साथ गाली गलौज किया ए एस आई के साथ धक्का मुक्ति हुई माफी मांगने के बाद छोड़ दिया गया है। जबकि मुखिया धर्मेंद्र रवानी ने कहा कि शराब के अधिक सेवन के कारण थोड़ा गलती हो गई है।

कपड़े धो रही वृद्धा की नहर में डुबने से हुई मौत

अदलहाट, मिर्जापुर। अदलहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगवां पुल के पास गंगा नहर पर बने घाट पर कपड़ा धोते समय डोमरी गांव की वृद्ध महिला की नहर में डुबने से मौत हो गई।जानकारी के अनुसार नवरंगी देवी पत्नी स्व.सलारु आयु 75 वर्ष घर से खाना खाने के

बाद ग्यारह बजे अपने कपड़े को साफ करने के लिए जोगवां पुल के पास बने घाट पर कपड़े धोने गयी थीं। कपड़ा धोते समय वृद्धा गहरे पानी में चली गयी और डुबने लगी। घाट पर स्थित महिलाओं के शोर मचाने पर आस पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक वृद्धा की मौत हो चुकी थी। मृतका के चार पुत्र हैं। सूचना पाकर अदलहाट पुलिस ग्रामीणों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकाल आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के मीरजापुर स्थित मोर्चरी हाउस भेज दिया।

तहसील व ब्लाकों के बीच धक्के खा रहे जन्म प्रमाण पत्र के आवेदक

⇨ जिम्मेदारों की जवाबदेही तय नहीं होने से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही दिक्कतें

बस्ती। सरकार भले ही ,आम जनमानस को त्वरित एवं सस्सी सुविधाएं मुहैया कराने का दावा करती है परन्तु सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत कुछ अलग और चौंकाने वाले है । जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदक तहसील व ब्लाकों के बीच फुटबाल बने धक्के खा रहे हैं तथा फाइलें बाबू दबाए बैठे हैं और एक सप्ताह में होने वाला काम तीन महीने में भी नहीं हो पा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद में जन्म से ज्यादा मुश्किलें जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही हैं ,आवेदक तहसील मुख्यालय व ब्लाकों के बीच फुटबाल बने धक्के खा रहे हैं और बाबू सुविधा शुल्क की चाहत में फाइल दबाए बैठे हैं और तीन - तीन महीने से भी ज्यादा समय जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में लग रहे हैं । सामान्य व सीधे - साधे आवेदकों के आवेदन पत्र ही गायब हो जा रहे हैं ।

समाज में जन्म प्रमाण पत्र को लेकर जो भ्रान्तियां चल रही हैं वह आजाद भारत में किसी कलंक से कम नहीं है । प्रशासनिक उदासीनता के चलते जन्म प्रमाण पत्र बनवाना टेढ़ी खीर सा हो गया है । क्षेत्र के जागरूक लोगों में धर्मराज , उमेश यादव, संजय चौधरी , जितेन्द्र कुमार, दिनेश आदि ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को और सरल एवं पारदर्शी बनाने की माँग किया है।

महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीडा समारोह का किया गया आयोजन

❑ विशाल मौर्या तथा जान्हवी शर्मा प्रथम वर्ग की चैंपियन घोषित

बस्ती। कप्तानगंज रामधनी सिंह नोहरा देवी राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक क्रीडा समारोह में बी ए प्रथम के छात्र विशाल मौर्या छात्र वर्ग का चैंपियन तथा बीए प्रथम वर्ष की छात्रा जान्हवी शर्मा छात्रा वर्ग की चैंपियन घोषित की गई। प्राचार्य डॉक्टर आर्येन्दु द्विवेदी ने इन विजेताओं को ट्राफी तथा मेडल प्रदान किया ।प्राचार्य डॉक्टर आर्येन्दु द्विवेदी ने कहा कि आज आवश्यकता है कि खेलकूद के माध्यम से हम परिश्रम करें और उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करें। खेलों के माध्यम से जनपद,राज्य तथा राष्ट्र का नाम रोशन करें। आज के युवा हमारे समाज हमारे भविष्य के कर्णधार है,जीवन में समय का सदुपयोग करते हुए लक्ष्य प्राप्त करें। अपने शारीरिक,मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेलकूद को अपनाने पर बल दिया। क्रीडा प्रभारी डा0 अनिल कुमार ने सभी विजेताओं को बधाई दी। इस कार्यक्रम का संचालन डा0 प्रदीप कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर डा0 पूनम ,विपिन शर्मा ,परमात्मा, प्रशांत दुबे, अनुष्ठान तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा तथा नागरिक उपस्थित थे। छात्रों की 100 मी प्रतियोगिता में प्रथम विशाल मौर्य,द्वितीय राहुल यादव तृतीय ऋषि ने प्राप्त किया। तथा छात्राओ की 100 मीटर प्रतियोगिता में प्रथम अंजलि , द्वितीय जाह्नवी शर्माताथा तृतीय स्थान शिवानी ने प्राप्त किया ।लंबी कूद छात्र वर्ग में प्रथम विशाल मौर्य,द्वितीय ऋषि तथा तृतीय प्रिंस राज विश्वकर्मा रहे। लंबी कूद छात्रा वर्ग में प्रथम शिवानी,द्वितीय जान्हवी शर्मा और तृतीय अंजलि रहे ।सभी प्रतिभागियों को प्राचार्य डॉ आर्येन्दु द्विवेदी तथा अन्य स्टाफ द्वारा उन्हें मेडल प्रदान करके सम्मानित किया गया।

लोकनृत्य नाटिका से झूम उठा महाकुंभ का लघु मंच

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। विगत 20 वर्षों से अधिक समय से भारतीय कला एवं संस्कृति के उत्थान हेतु तत्पर लखनऊ की सुप्रसिद्ध नाट्य संस्था संस्कृति कारवां की नृत्य नाटिका प्रस्तुति से झूम उठा संस्कृति विभाग द्वारा संचालित महाकुंभ का लघु मंच। संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से महाकुंभ 2025 प्रयागराज में लघुमंच पर संस्था के कलाकारों ने लोक नृत्य नाटिका का सजीव मंचन किया। प्रस्तुति का निर्देशन अविनाश कुमार ने किया, प्रस्तुति की शुरुआत गीत जहवा गिरली हो अमृत की बुंदिया से हुई। प्रस्तुति उपरांत संस्कृति विभाग द्वारा संस्था के कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र भेंट किया। मंच पर सारिका वर्मा, अनिता सिंह, निहारिका कश्यप, मंगेशलता, शालिनी अंशिका, वाद्ययंत्रों पर राजन, आलोक एवं कृष्ण कुमार रहे, प्रस्तुति का निर्देशन अविनाश कुमार ने किया।

हाईस्कूल और इंटर के मेधावी छात्र छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

डीह, रायबरेली। ब्लॉक के जगदीशपुर में शिव पर्वती शिक्षा निकेतन के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सलोन के विधायक अशोक कुमार जी रहे। इस कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके लोगों का दिल जीत लिया। गति वर्ष हाई स्कूल और इंटर में प्रथम द्वितीय और तृतीय छात्रों को मुख्य अतिथि व विद्यालय के प्रबंधक के द्वारा लैपटॉप साइकिल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक परमात्मा प्रसाद तिवारी ममता तिवारी, मनीष तिवारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबुज सिंह ,संजीव शुक्ला ,आनंद कुमार मिश्रा दद्दन पांडे शशांक त्रिपाठी, कमल मिश्रा ,सुशील कोरी, हरनाथ शुक्ला, दलपत और विद्यालय के समस्त शिक्षक और अभिभावक उपस्थिति रहे।

एसएनएमएमसीएच : आधे घंटे लिफ्ट में फंसा रहा युवक, हंगामा व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है

❑ हीरापुर निवासी ऋषभ कुमार लगभग आधे घंटे तक लिफ्ट में फंसा रहा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। जिले के सबसे बड़े अस्पताल एसएनएमएमसीएच की व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है. शनिवार को हीरापुर निवासी ऋषभ कुमार यहां लगभग आधे घंटे तक लिफ्ट में फंसा रहा. युवक अपने पिता, जो पैर टूटने के कारण ऑर्थो विभाग में भर्ती हैं, के लिए खाना लेकर आया था. लिफ्ट में फंस जाने के बाद ऋषभ को बाहर निकालने के लिए उसकी मां आधे घंटे तक लोगों से गुहार लगती रही. हंगामा करने के बाद अस्पताल प्रबंधन की नींद टूटी व बिजली काट कर लिफ्ट को खोला गया. ऋषभ ने लिफ्ट से बाहर आकार बताया कि लिफ्ट में घुसने के बाद ही लिफ्ट जाम हो गया. लगभग आधे घंटे तक लिफ्ट का अलार्म बजने के बाद भी किसी ने लिफ्ट का दरवाजा नहीं खोला. वहीं लिफ्ट के अंदर उसे सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी. युवक की मां ने आरोप लगाया है कि अस्पताल प्रशासन ने शुरू में मामले को गंभीरता से नहीं लिया था. इसमें प्रबंधन की लापरवाही साफ दिखती है ।

बिजली निजीकरण के विरोध में 26 जून को राष्ट्रव्यापी हड़ताल

लखनऊ। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) ने बिजली के निजीकरण के विरोध में 26 जून को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। हड़ताल को सफल बनाने के लिए अप्रैल और मई में देश के सभी प्रांतों में बड़े सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में पहले से जारी निजीकरण की प्रक्रिया के विरोध में मार्च माह में चार बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा मई में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियनों की हड़ताल के दौरान भी बिजली कर्मचारी हड़ताल करेंगे। नागपुर में आयोजित एनसीसीओईईई के राष्ट्रीय सम्मेलन में इस हड़ताल की रूपरेखा तैयार की गई। इस सम्मेलन को आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे, सेक्रेटरी जनरल पी रत्नाकर राव, आल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज के मोहन शर्मा और कृष्णा भोयूर, इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रशांत चौधरी और सुभाष लांबा, ऑल इंडिया पावर मेंस फेडरेशन के समर सिन्हा, भारतीय किसान मोर्चा के बीजू कृष्णा तथा कामगार एकता मंच के गिरीश भावे ने संबोधित किया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रांतों के बिजली कर्मचारियों के श्रम संघों और सेवा संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी सम्मिलित हुए। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के महासचिव जितेन्द्र सिंह गुर्जर और उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के प्रमुख महासचिव महेन्द्र राय ने उत्तर प्रदेश में चल रही निजीकरण प्रक्रिया और बिजली कर्मियों के आंदोलन की जानकारी दी। एनसीसीओईईई की आमसभा में पारित प्रस्ताव में चंडीगढ़ बिजली विभाग के निजीकरण को आपत्तिजनक बताया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, राज्य में बिजली राजस्व का बकाया एक लाख 15 हजार करोड़ रुपए और घाटा एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए है। प्रस्ताव में स्पष्ट किया गया कि यदि राजस्व की पूरी वसूली हो जाए तो उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगम लाभ में आ सकते हैं। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि टैरिफ बेस्ड प्रतिस्पर्धात्मक बिडिंग और असेट मोनेटाइजेशन के नाम पर ट्रांसमिशन सेक्टर का बड़े पैमाने पर निजीकरण किया जा रहा है। जिससे उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है। आमसभा में पारित प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि बिजली का निजीकरण न केवल कर्मचारियों के लिए हानिकारक है बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भी सबसे अधिक घातक है। निजी क्षेत्र में मुम्बई में घरेलू उपभोक्ताओं को 17-18 रुपए प्रति यूनिट तक बिजली का टैरिफ देना पड़ रहा है जबकि किसानों को कोई सब्सिडी नहीं मिलती। यदि निजीकरण को नहीं रोका गया तो महंगी बिजली आम उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति को और अधिक कमजोर कर देगी। आमसभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की गई है कि बिजली का निजीकरण तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। अन्यथा बिजली कर्मचारी पूरी एकजुटता के साथ राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने के लिए विवश होंगे।

8वें वेतन आयोग के गठन के लिए रक्षामंत्री से मुलाकात

लखनऊ। इंडियन पब्लिक सर्विस एम्प्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में उपमहासचिव अतुल मिश्रा, उपाध्यक्ष सुरेश रावत, अजय वीर यादव, बाबूलाल शर्मा (दिल्ली), शाह फैयाज (जम्मू), एवं विधि सलाहकार ऋषभ तिवारी उपस्थित थे। वीपी मिश्र ने आठवें वेतन आयोग के गठन, आयकर सीमा में 12 लाख तक छूट देने, सेवानिवृत्ति पर 50: पेंशन देने एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए रक्षा मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आग्रह किया कि 25 वर्ष की बजाय 20 वर्ष की सेवा पर पूरी पेंशन देने और जीपीएफबहाल करने की मांग पूरी की जाए। उन्होंने बताया कि भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष होने के कारण कई कर्मचारी 20 वर्ष की सेवा पर सेवानिवृत्त होते हैं, इसलिए उन्हें पूर्व की भांति पूरी पेंशन दी जानी चाहिए।

प्रोन्नत होकर र नायब तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता बने तहसीलदार

बस्ती। नायब तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता को तहसीलदार पद पर प्रोन्नति मिली है। वे अब बस्ती जनपद में तहसीलदार के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

उनकी इस उपलब्धि पर राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आदेश जारी किया गया।मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने उन्हें मिठाई खिलाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सहायक भूलेख अधिकारी अजय कलेक्ट्रेट सहित तहसील कर्मचारियों ने भी उनकी प्रोन्नति पर हर्ष जताया और बधाई दी।विजय कुमार गुप्ता ने अपनी इस सफलता का श्रेय वरिष्ठ अधिकारियों, सहयोगियों और अपने परिश्रम को दिया। उन्होंने कहा कि वे नए दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे।

प्रदूषण अंदर हो या बाहर स्वास्थ्य के लिए दोनों हानिकारक : लालमन चौधरी

बस्ती। संत निरंकारी मिशन के तत्वाधान में हर वर्ष की तरह अमहट घाट कुआनो नदी पर प्रोजेक्ट अमृत के तहत स्वच्छ जल स्वच्छ मन प्रदूषित पानी हमारी हानि के संदेश संत निरंकारी मिशन बस्ती के प्रमुख लालमन चौधरी ने व्यक्त करते हुए कहा की कुआनो नदी के सफाई का कार्य सदुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा से किया गया। जिसमें संत निरंकारी मिशन के भाई बहन व महापुरुषों ने इस सेवा में अपना भरपूर योगदान दिया।

नगर पालिका के अध्यक्ष के प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने उद्घाटन कर कहा सफाई अभियान में हम आप सभी हम आप सभी लोगों का हार्दिक स्वागत करते हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं कि आप सभी को हर प्रकार की खुशियां प्रदान करें और बताया कि निरंकारी मिशन हमेशा सेवा और सामाजिक कार्यों में तत्पर रहता है इसीलिए निरंकारी मिशन पूरे विश्व में सेवा कार्य से जाना जाता है।

बस्ती मिशन के क्षेत्रीय संचालक राजमन, संचालक आज्ञाराम चौहान शिक्षक किशन देव महिला संचालिका बहन केतकी, डॉ नवीन सिंह, दयाराम आर्य, त्रिपुरारी पांडेय ,जगराम शर्मा,श्याम सुंदर,त्रिभुवन प्रेम प्रकाश, राम प्रताप, आवासों खुपकर,अमर नाथ, डॉश्र श्याम नारायण चौधरी,राम प्रकाश, शिवा,रमाकांत,बाबूराम एवं बहन शन्नो,रेशमा,उषा पांडेय,कंचन,सीमा, कमला,ज्योति पांडेय आदि उपस्थित रहीं।

बिजली बिल बकायेदारों पर शिंकजा दर्जनों घरों के कनेक्शन काटे गये

परसदेपुर, रायबरेली। बिजली विभाग ने बकायेदारों पर शिंकजा कसते हुए दर्जनों घरों के बिजली का कनेक्शन काट दिया।रविवार को परसदेपुर उपकेंद्र के कर्मचारियों ने क्षेत्र के पूरे मिश्र मजरे बरुआ ग्राम सभा में दर्जनों घरों के बिजली का कनेक्शन काट दिया इतनी बड़ी कार्यवाही से लोगों में हड़कंप मच गया इस मौके पर बिजली रवि टीजीटू,फूलचंद,मोतीलाल, रामसुमेर सहित तमाम बिजली कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्र संत गाडगे जी की मनाई गई 149वीं जयंती

सुलतानपुर। समाज सुधारक संत गाडगे की जयंती तिकोनिया पार्क में धूमधाम से मनाई गई ! कार्यक्रम की अध्यक्षता पेरियार सम्भाले वर्मा ने की ! मुख्य अतिथि अच्छे लाल कनोजिया (लखनऊ) द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ बुद्ध वंदना से किया गया ! विशिष्ट आमंत्रित अतिथि पूर्व विधायक अनूप संडा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के दौर में समाज को शिक्षित होने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है! विशिष्ट अतिथि डॉ0 राजकरन ने हिन्दू कोड बिल महिलाओं के अधिकार के बारे में जानकारी दी, भगवानदीन यादव ने समाज को पाखण्ड से दूर रहने की सलाह दी !मुख्य अतिथि ने समाज को शिक्षित रहने और संत गाडगे छात्रावास बनने में लोगों को अधिक से अधिक आर्थिक मदद करने की अपील की ! कार्यक्रम में अच्छे अंकों से हाई स्कूल इंटर पास 26 छात्र छात्रों सिध्दांत कानोजिया महेश पुष्पनजली महेश भास्कर, प्रतिभा भास्कर ऋषभ आयुषी चौधरी कमलेश, अशोक कुमार, आदि को प्रतियोगिता परीक्षा की किताब देकर सम्मानित किया गया, 25 गरीब महिलाओं को साड़ी वितरित करने के साथ संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सभी बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

संचालन विजय भास्कर और राजेश कनोजिया ने किया।

संजय लीला भंसाली@62

संजय लीला भंसाली, आज ये नाम फिल्म इंडस्ट्री के बड़े डायरेक्टरों में शुमार है। भंसाली आज 62 साल के हो गए हैं। कभी 300 स्क्वायर फीट की चॉल में बेरंग दीवारों के बीच गुजारा करने वाले भंसाली, आज भारतीय सिनेमा के सबसे भव्य सेट्स और परफेक्शनिस्ट अप्रोच के लिए जाने जाते हैं। संजय की फिल्मों में सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि हर फ्रेम एक चलती-फिरती पेंटिंग होती है। 940 करोड़ रुपए के मालिक भंसाली ने फिल्म इंडस्ट्री के करियर में करीब 10 फिल्मों का डायरेक्शन किया, 7 फिल्मों में बतौर प्रोड्यूसर, 3 फिल्मों में म्यूजिक डायरेक्टर और 16 फिल्मों में राइटर के तौर पर काम किया। हालांकि, संजय लीला भंसाली का फिल्म इंडस्ट्री में आना आसान नहीं था।

भंसाली के 62वें जन्मदिन के मौके पर जानेंगे उनके डायरेक्शन और परफेक्शन से जुड़े किस्से3.

चॉल में जन्म हुआ, कहा था- दीवारें भी बेरंग थीं

संजय लीला भंसाली फिल्मों में अपने आलीशान और भव्य सेट के लिए जाने जाते हैं, लेकिन एक समय था जब वो खुद चॉल में रहते थे। उन्होंने कुछ समय पहले ही हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में अपने बचपन के संघर्ष को याद किया था। उन्होंने कहा था-

मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं बिना किसी सुख-सुविधा वाले घर में पैदा हुआ। मैं 300 स्क्वायर फीट के चॉल में पैदा हुआ। खुद को इसलिए भी भाग्यशाली मानता हूं क्योंकि मेरा जन्म ऐसे पिता के घर हुआ, जो अपने पीछे कई अधूरे सपने छोड़ गए। मैं जिस चॉल में रहता था, वहां दीवारें भी बेरंग थीं, छोटी सी जगह में हम 4-5 लोग रहते थे। मैंने बचपन से ही यही बात सुनी थी कि सिनेमा में पैसे लगाना बेकार है।

पिता ने फिल्म में पैसे लगाए, परिवार को झेलनी पड़ी आर्थिक तंगी

इसी इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने फिल्मों को अपनी आर्थिक तंगी का कारण भी माना। उन्होंने कहा- मेरे पिता ने जहाजी लुटेरा नाम की फिल्म में पैसा लगाया था, जो मेरे पैदा होने से पहले रिलीज हुई थी। जब मैं पैदा हुआ और बड़ा हो रहा था तो मैंने अपनी फैमिली से हमेशा यही सुना कि सिनेमा में पैसे नहीं लगाना चाहिए। हम सिनेमा की वजह से ऐसी सिचुएशन में पहुंच गए हैं। मेरे घर में शुरू से ही सिनेमा को काफी तवज्जो दी जाती है।

मेरी दादी ने एक बार 10 हजार रुपए इकट्ठा किए थे। उन्होंने ये पैसे मेरे पिता के दोस्त को दिए थे, जो एक फिल्म प्रोड्यूस कर रहे थे। वो पैसे हमें कभी वापस नहीं मिले। इसके बाद मैंने सोच लिया था कि बहुत पैसे कमाने हैं और परिवार को वो 10 हजार रुपए सूद समेत लौटाने हैं।

मां को छोटी जगहों में डांस करते देख ठाना- मेरी एक्ट्रेसेस बड़े सेट पर डांस करेंगी

संजय लीला भंसाली के पिता ने जब फिल्मों में पैसे लगाए तो परिवार को आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ा। ऐसे में घर खर्च और गुजारे के लिए उनकी मां सिलाई का काम किया करती थीं। उनकी मां छोटे कार्यक्रमों में डांस भी किया करती थीं। कभी-कभी भंसाली भी कार्यक्रमों में अपनी मां की परफॉर्मेंस देखने जाते थे। एक दिन उन्होंने मां को छोटी सी जगह पर डांस करते देखा, जिसके बाद उन्होंने ठान लिया था कि जब भी वो फिल्म मेकर बनेंगे तो उनकी फिल्म की एक्ट्रेसेस हमेशा बड़े सेट पर डांस करेंगी।

गुस्से की वजह से श्ज्प् से निकाले गए

संजय लीला भंसाली ने टाइम्स ऑफ इंडिया से एक पुरानी बातचीत में अपने पुणे के फिल्म इंस्टीट्यूट का किस्सा शेयर किया था। उन्होंने बताया था- मैंने पुणे के फिल्म इंस्टीट्यूट में एडिटिंग कोर्स में एडमिशन लिया था। इस कोर्स को पूरा करने के बाद मैंने डिप्लोमा के लिए एडमिशन लिया था, लेकिन तभी मुझे इंस्टीट्यूट से निकाल दिया गया था और मैं अपना डिप्लोमा पूरा नहीं कर पाया था।

दरअसल, मैं वहां एडिटिंग का स्टूडेंट था, हमारे लिए डायरेक्शन की क्लास नहीं होती थी। एक दिन हर स्टूडेंट के लिए एक डायरेक्टर को बुलाया गया, जिनकी फिल्में हमें एडिट करनी थीं। मुझे दिलीप घोष की फिल्म मिली थी, लेकिन मुझे उनके साथ काम करने में कुछ परेशानी थी, इसलिए मैंने अपने इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर के.जी. वर्मा से कहा कि मुझे किसी दूसरे डायरेक्टर की फिल्म दे दी जाए, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो गई और मैंने कोर्ट में केस कर दिया, जिसमें मैं हार गया। इसके बाद मैं वर्मा सर के पास गया और गिड़गिड़ाया कि मुझे मेरी डिप्लोमा फिल्म पूरी करने दें, लेकिन वे नहीं माने और मुझे इंस्टीट्यूट से निकाल दिया। मैं बहुत गुस्से में था और सोच लिया था कि मुंबई जाकर अपनी फिल्म बनाऊंगा। हालांकि, आज भी मुझे डिप्लोमा नहीं कर पाने का अफसोस है। यही वजह है कि मैं अभी भी खुद को अधूरा फिल्ममेकर मानता हूं।

कैसे फिल्मों से जुड़ा संजय लीला भंसाली का रिश्ता?

संजय लीला भंसाली का एक समय ऐसा था जब उनका फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ना नामुमकिन था। ये तब मुमकिन हो सका जब उनकी बहन ने विधु विनोद चोपड़ा की एक्स वाइफ रेणु चोपड़ा के सामने उनके काम की तारीफ की। जिसके बाद रेणु चोपड़ा ने विधु विनोद चोपड़ा को संजय लीला को काम देने के लिए मजबूर किया था। दरअसल, संजय लीला भंसाली की बहन बेला भंसाली सहगल विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करती थीं।

पहले विधु विनोद चोपड़ा ने संजय लीला को रिजेक्ट कर दिया। फिर बाद में उन्होंने उनको अपने साथ काम करने का मौका दिया। संजय लीला ने उनके साथ 8 साल तक काम किया। उन्होंने विधु विनोद चोपड़ा

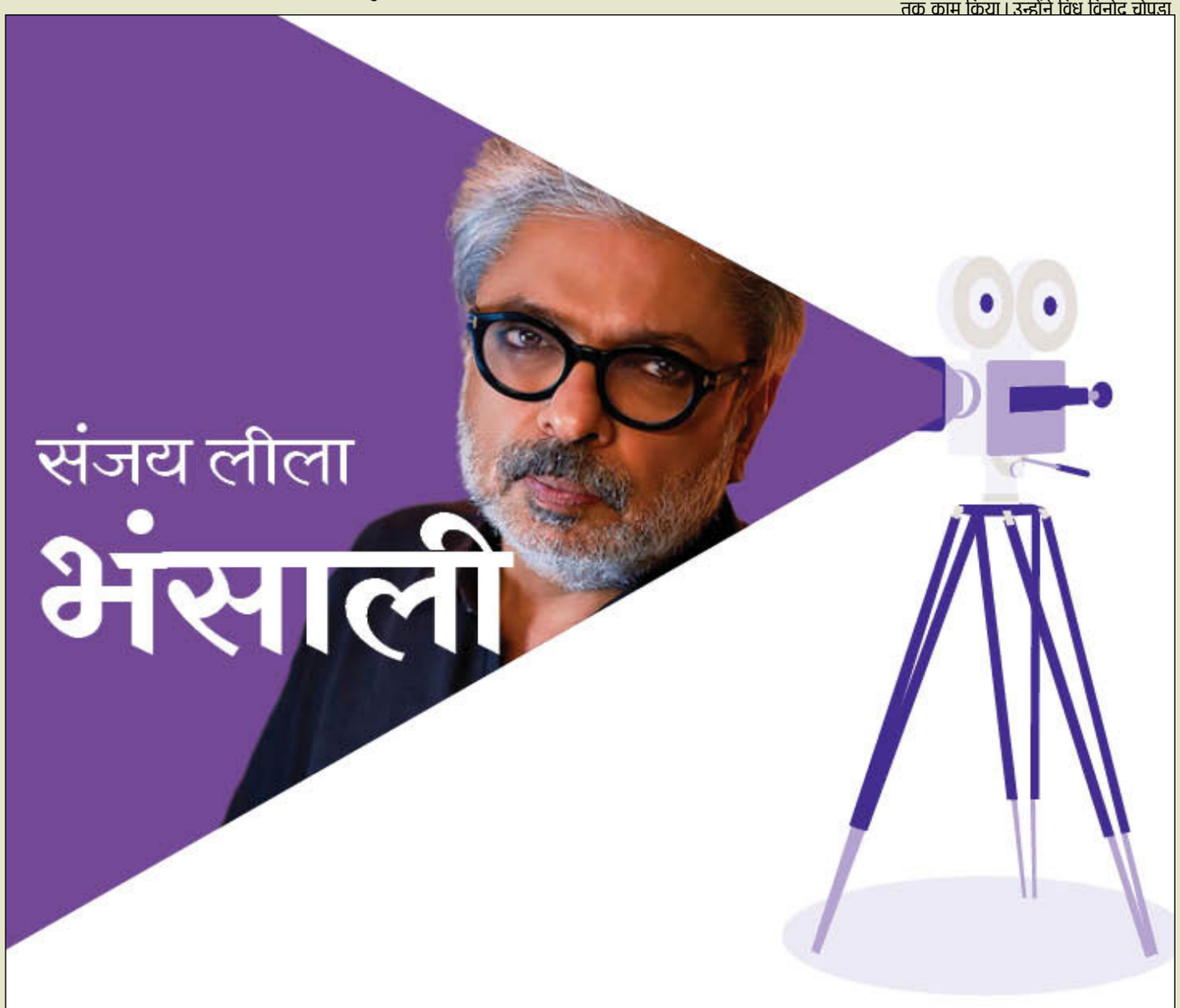

जन्म: 24 फरवरी 1963, भुलेश्वर, साउथ मुंबई

मां: लीला भंसाली

पिता: नवीन भंसाली

बहन: बेला भंसाली सहगल (हीरामंडी में आलमजेब के किरदार में नजर आई ***शर्मिन सहगल*** संजय लीला भंसाली की भांजी हैं)

भंसाली गुजराती जैन परिवार से ताल्लुक रखते हैं

संजय लीला भंसाली
अवॉर्ड और सम्मान

साल	फिल्म
2002	देवदास
2005	ब्लैक
2014	मैरी कॉम
2015	बाजीराव मस्तानी
2018	पद्मावत
2021	गंगूबाई काठियावाड़ी

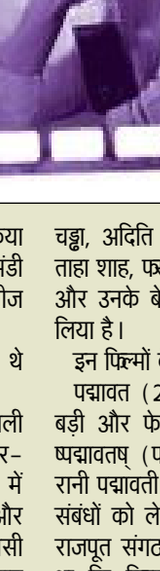

पद्मश्री 2015

6 नेशनल फिल्म अवॉर्ड

प्रति सम्मान है, जिसने मेरी जिंदगी बदल दी।

पहली फिल्म खामोशीरू द म्यूजिकल को मिले 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड

संजय लीला भंसाली ने विधु विनोद चोपड़ा के साथ फिल्म परिंदा (1989) में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर, 1942रू ए लव स्टोरी (1994) में बतौर राइटर-असिस्टेंट कोरियोग्राफर काम किया।

विधु विनोद चोपड़ा चाहते थे कि संजय लीला भंसाली उनके प्रोडक्शन की फिल्म करीब डायरेक्ट करें, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इस इनकार का असर उनके रिश्ते पर पड़ा।

इसके बाद संजय लीला भंसाली ने साल 1996 की फिल्म खामोशी द म्यूजिकल से बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो कोई खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन इसे क्रिटिक्स की जमकर तारीफें मिलीं। इस फिल्म ने उस साल 5 फिल्म फेयर अवॉर्ड अपने नाम किए थे। आगे उन्होंने हम दिल दे चुके सनम, देवदास, ब्लैक जैसी बेहतरीन फिल्में डायरेक्टर कर खुद को बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन डायरेक्टर्स में शामिल किया।

संजय लीला भंसाली की फिल्मों और परफेक्शन से जुड़े किस्से-

संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों की कहानी के साथ-साथ परफेक्शन, आलीशान सेट, एक्टर्स के कॉस्ट्यूम और म्यूजिक पर भी ध्यान देते हैं। ये उनकी कई फिल्मों में देखने को मिला है।

भंसाली ने साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म देवदास के भव्य सेट को बनाने में 9 करोड़ रुपए लगाए थे। वहीं, 2018 में रिलीज हुई फिल्म पद्मावत के सेट को बनाने में 250 करोड़ रुपए की लागत लगी थी। फिल्म में दीपिका पादुकोण के महारानी लुक पर भी भंसाली ने बहुत खर्च किया था।

दीपिका ने जो ज्वेलरी पहनी थी उसे 200 कारीगरों ने 600 दिनों में बनाया था। इतना ही नहीं घूमर गाने की मेकिंग में 12 करोड़ का खर्च आया था। साल 2022 को रिलीज हुई फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के सेट को बनाने में लगभग 7 करोड़ रुपए का खर्चा आया था। इस सेट को बनाने में 5 से 6 महीने लगे थे।

वेब सीरीज हीरामंडी का सेट संजय लीला भंसाली के करियर का अब तक का सबसे बड़ा सेट है।

वेब सीरीज हीरामंडी का सेट संजय लीला भंसाली के करियर का अब तक का सबसे बड़ा सेट है।

वहीं, साल 2024 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज श्हीरामंडीश् के सेट को बनाने में लगभग 200 करोड़ रुपए का खर्च आया था। 3 एकड़ में फैला यह सेट भंसाली के करियर का अब तक का सबसे बड़ा सेट रहा। सेट को बनाने में 700 कारीगरों ने 210 दिनों तक काम किया था। वहीं इस सीरीज का सीक्वल हीरामंडी 2 जल्द ही रिलीज होने वाला है। सीरीज की शूटिंग जारी है।

सलमान के बयान से आहत हुए थे संजय लीला भंसाली

सलमान खान और संजय लीला भंसाली का रिश्ता काफी लंबे समय तक उतार-चढ़ाव भरा रहा। दोनों ने साथ में खामोशीरू द म्यूजिकल (1996) और हम दिल दे चुके सनम (1999) जैसी फिल्में की थीं, लेकिन बाद में सलमान खान के एक बयान से दोनों के बीच अनबन की खबरें सामने आने लगीं। दरअसल, साल 2010 में संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी फिल्म गुजारिश रिलीज हुई थी। फिल्म पर सलमान ने कहा था कि कोई कुत्ता भी फिल्म को देखने नहीं गया। सलमान के इस बयान से संजय लीला भंसाली को काफी ठेस पहुंची और उनके बीच मनमुटाव हो गया।

सलमान के साथ फिल्म बंद हुई

संजय लीला भंसाली ने इंशाल्लाह नाम की फिल्म अनाउंस की थी, जिसमें सलमान खान और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म भंसाली और सलमान की 20 साल बाद साथ में वापसी होती, लेकिन प्रोजेक्ट अचानक बंद कर दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान और भंसाली के बीच क्रिएटिव डिफ्रेंस थे। सलमान फिल्म में एक्शन और मसाला एलिमेंट्स चाहते थे, जबकि भंसाली इसे एक क्लासिक रोमांटिक फिल्म की तरह बनाना चाहते थे।

पाकिस्तानी एक्टर्स को कास्ट करना चाहते थे

हीरामंडी भंसाली द्वारा डायरेक्ट की गई पहली वेब सीरीज है। इस सीरीज का आइडिया उनके पास पिछले 18 साल से था, उस समय इस सीरीज में वो रेखा, करीना कपूर और रानी मुखर्जी को कास्ट करना चाहते थे। उसके बाद दूसरी कास्ट में उन्होंने पाकिस्तानी कलाकारों के नाम भी सोचे थे। जिसमें माहिरा खान, फवाद खान और इमरान अब्बास का नाम शामिल है। हालांकि, ये भी नहीं हो सका। जिसके बाद भंसाली ने हीरामंडी द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ताहा शाह, फरदीन खान और शेखर सुमन और उनके बेटे सुमन को अहम रोल में लिया है।

इन फिल्मों के चलते विवादों में रहे

पद्मावत (2018)- यह उनकी सबसे बड़ी और फेमस कॉन्ट्रोवर्सी थी। फिल्म पद्मावतष् (पहले पद्मावती नाम था) में रानी पद्मावती और अलाउद्दीन खिलजी के संबंधों को लेकर करणी सेना और कुछ राजपूत संगठनों ने विरोध किया। आरोप था कि फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ की गई और रानी पद्मावती का करैक्टर गलत तरीके से दिखाया गया। विरोध इतना बढ़ गया कि जयपुर में शूटिंग के दौरान भंसाली पर हमला किया गया, सेट तोड़ दिया गया और फिल्म की रिलीज टालनी पड़ी। बाद में, सेंसर बोर्ड ने कुछ बदलाव करवाए, नाम बदला और फिल्म रिलीज हुई।

गोलियों की रासलीलारू राम-लीला (2013)- फिल्म के टाइटल राम-लीला को लेकर हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई और कहा कि यह धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। कुछ समुदायों ने फिल्म पर अश्लीलता और गलत तरीके से परंपराओं को दिखाने के आरोप लगाए। बाद में फिल्म का नाम बदलकर गोलियों की रासलीलारू राम-लीला किया गया।

बाजीराव मस्तानी (2015)- पेशवा बाजीराव और मस्तानी की लव स्टोरी पर आधारित इस फिल्म पर मराठा संगठनों और कुछ इतिहासकारों ने आपत्ति जताई। आरोप था कि फिल्म में बाजीराव की पत्नी काशीबाई (प्रियंका चोपड़ा) और मस्तानी (दीपिका पादुकोण) को गलत तरीके से दिखाया गया है। फिल्म के षिंगाष् गाने पर विवाद हुआ, जिसमें काशीबाई और मस्तानी को एक साथ डांस करते दिखाया गया।

हीरामंडीरू द डायमंड बाजार (2024)- संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी काफी सुर्खियों में रही। यह सीरीज लाहौर के हीरामंडी इलाके की तवायफों के जीवन पर आधारित है। सीरीज की रिलीज के बाद डायरेक्टर पर आरोप लगा था कि उन्होंने तथ्यों के साथ छेडछाड़ की है।

जब भी मैं उन दिनों की बात करता हूं तो इमोशनल हो जाता हूं। मैंने मां को 100 स्क्वायर फीट की बहुत छोटी जगह में डांस करते हुए देखा। जिसके बाद ठान लिया था कि मेरी फिल्मों की हीरोइन हमेशा बड़े सेट पर डांस करेंगी। यही कारण है कि मेरी फिल्मों के सेट हमेशा बड़े और आलीशान होते हैं।

संजय लीला भंसाली

सचिन तेंदुलकर ने इतिहास में अपना और भारत का नाम रोशन किया: इंजिनियर हया फातिमा

Engineer Haya Fatima

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

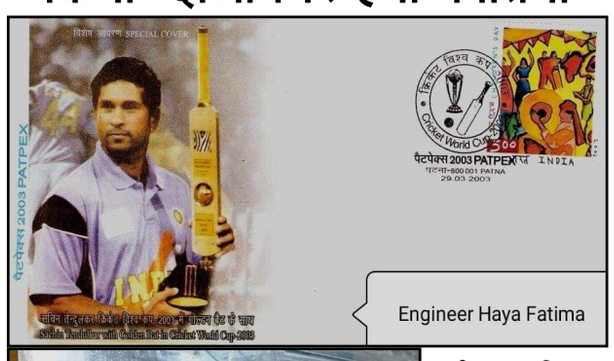

लखनऊ। सल्तनत मंज़िल, हामिद रोड, निकट सिटी स्टेशन, लखनऊ की रहने वाली इंजिनियर हया फातिमा बिटिया नवाब सैयद मासूम रज़ा, एडवोकेट ने कहा कि मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने वन डे इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में 24 फरवरी 2010 को 15 साल पहले दोहरा शतक बना कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और वो पहले दोहरा शतक बनाने वाले क्रिकेटर बन कर इतिहास में अपना और भारत का नाम रोशन किया। यह बहुत ही गर्व की बात थी। इस से पहले कई बल्लेबाज ने 200 रन के आंकड़े के करीब ज़रूर पहुंचे थें मगर कोई भी बल्लेबाज महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के इस जादुई आंकड़े को नही पार कर सका। सचिन तेंडुलकर पर जारी स्पेशल कवर ÷पेटपेक्स 2003÷ जो 29 मार्च 2003 में पटना में जारी हुआ था जिसमे सचिन तेंदुलकर को विश्व कप 2003 में गोल्डन बैट के साथ दिखाया गया है वो इंजीनियर हया फातिमा के कलेक्शन में मौजूद है। यह नायाब कवर जिसे सल्तनत मंजिल, हामिद रोड, निकट सिटी स्टेशन, लखनऊ में देखा जा सकता है।

पाकिस्तानियों ने अपनी ही टीम की बखिया उधेड़ी

शोएब से लेकर आमिर-अकरम तक सबने उठाए सवाल

कराची। पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, मोहम्मद आमिर और अहमद शहजाद ने अपनी ही टीम की बखिया उधेड़ी है। इन सभी ने हार पर अलग अलग एनालिसिस किया। आइए जानते हैं... एक और आईसीसी टूर्नामेंट और एक और बार भारत ने पाकिस्तान को धूल चटा दी। रविवार को दुबई में खेले गए चौंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले में रोहित एंड कंपनी ने रिजवान की टीम को छह विकेट से हरा दिया और लगभग टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वहीं, टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच गई। भारत के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट में एक और हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स से लेकर लोग बौखला गए हैं। कुछ समय पहले पाकिस्तान में इस बात तक की चर्चा हुई थी कि भले ही पाकिस्तान चौंपियंस ट्रॉफी हार जाए, लेकिन भारत के खिलाफजीत दर्ज करे। अब स्थिति ऐसी है कि न तो उन्हें भारत के खिलाफ जीत मिली और न ही चौंपियंस ट्रॉफी के अगले दौर में पहुंच सके। इसके बाद कई दिग्गज पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, मोहम्मद आमिर और अहमद शहजाद ने अपनी ही टीम की बखिया उधेड़ी है। इन सभी ने हार पर अलग अलग एनालिसिस किया, लेकिन सभी ने टीम चयन पर जरूर सवाल खड़े किए। सभी का मानना था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गलत टीम चयन किया था और उन्हें इसका अंजाम भुगतना पड़ा। आइए जानते हैं... शोएब अख्तर की प्रतिक्रिया भारत की जीत के बाद अख्तर ने सोशल मीडिया इंस्टा पर वीडियो शेयर किया और पाकिस्तान की हार पर अपनी राय दी और दुखी होकर कहा कि, मैं बिल्कुल भी निराश नहीं हूं। इस गेंदबाज ने पाकिस्तान टीम पर निशाना साधते हुए कहा, श्आपकी टीम में पांच विशेषज्ञ गेंदबाज तक नहीं हैं। मैं दुखी हूं। खिलाड़ियों को पता ही नहीं क्या करना है। उनके पास कोई स्किल सेट भी नहीं है। उन्हें रोहित और कोहली से सीखने की जरुरत है। मुझे पता था कि इस मैच में क्या होने वाले हैं। दुनिया छह गेंदबाजों के साथ खेल रही है। इन खिलाड़ियों को क्या कहें, जैसा मैनेजमेंट हैं वैसे ही ये बच्चे हैं। पाकिस्तानी खिलाड़ी बस चले गए हैं, लेकिन उन्हें करना क्या है ये पता ही नहीं है।श् कोहली को लेकर अख्तर का बयान शोएब अख्तर ने कहा, श्अगर कोहली फॉर्म में नहीं हैं और उन्हें कोई कह दे कि आपका मैच पाकिस्तान के साथ है तो वह पूरी तैयारी के साथ आते हैं। उन्होंने इस मैच में भी यही किया। वह हमारे खिलाफ पूरी तैयारी से आते हैं। वह वनडे में रन चेज मास्टर हैं। वह एक कमाल के क्रिकेटर हैं। पता नहीं वह शतकों का शतक लगा पाएंगे या नहीं, लेकिन वह एक महान बल्लेबाज हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। उन्हें बस अपना खेल खेलने दें और उनके बारे में ज्यादा न बोलें। आप देखिए वह हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। उनसे 14000 रन भी पूरे कर लिए हैं। मैं चाहता हूं कि वह शतकों का शतक पूरा करें। आधुनिक क्रिकेट के वह किंग हैं...चेज मास्टर हैं। मैं उन्हें आगे के लिए शुभकामनाएं देता हूं।श् वसीम अकरम ने कही यह बात दुबई में भारत से पाकिस्तान की हार के बाद स्पोर्ट्स सेंट्रल पर बात करते हुए दिग्गज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रशंसक अब खाली वादों और उम्मीदों को बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, श्हमें कठोर कदम उठाने की जरूरत है। अब बहुत हो गया है! हम सफेद गेंद के क्रिकेट में वर्षों से उन्हीं खिलाड़ियों के साथ हार रहे हैं। अब समय आ गया है कि साहसिक कदम उठाया जाए और निडर क्रिकेट खेलने वाले युवा खिलाड़ियों को लाया जाए। यदि आप बड़े बदलाव करना चाहते हैं, तो इसके लिए जाएं। नए खिलाड़ियों को छह महीने दें, उनका समर्थन करें और 2026 टी20 विश्व कप की तैयारी शुरू करें। अब बहुत हो गया। आपने पहले भी खिलाड़ियों को मौके दिए और उन्हें स्टार बना दिया। श्हम चिल्ला रहे, टीम सही नहीं हैश् अकरम ने कहा, श्पाकिस्तान के गेंदबाजों ने पिछले पांच मैचों में 60 की औसत से 24 विकेट चटकाए हैं। चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि पाकिस्तान का गेंदबाजी औसत 14 टीमों में दूसरा सबसे खराब है, जिसमें ओमान और यूएसए शामिल हैं, जिन्होंने इस साल एकदिवसीय क्रिकेट खेला। अब हमें क्या करना चाहिए? अध्यक्ष को घर लौटना चाहिए, कप्तान, कोच और चयन समिति को बुलाना चाहिए और पूछना चाहिए कि उन्होंने किस तरह का चयन किया है। क्या ऐसा लग रहा था कि खुशदिल शाह और सलमान आगा किसी भारतीय बल्लेबाज को आउट कर सकते थे? हम यहां चिल्ला रहे हैं, कह रहे हैं कि स्क्वॉड ठीक नहीं है। अध्यक्ष ने उन्हें एक दिन शेष रहते टीम की घोषणा करने के लिए कहा। उन्होंने एक घंटे तक बैठक की और इस तरह की टीम का एलान कर दिया। अकरम-आमिर-शहजाद ने रिजवान की आलोचना की वसीम अकरम ने रिजवान की आलोचना करते हुए कहा, श्कप्तान जहाज का लीडर होता है। टीम कैसे सफल होगी अगर रिजवान नहीं जानते कि उन्हें किस मैच विजेता खिलाड़ी की जरूरत है? जब भारत लक्ष्य का पीछा करते हुए 15वें और 18वें ओवर तक पहुंच गया तो पाकिस्तानी खिलाड़ी खेल से पूरी तरह से बाहर दिखे। प्रशंसकों का जल्दी जाना कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं देखा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।श् सिर्फ वसीम अकरम ही नहीं, मोहम्मद आमिर, अहमद शहजाद और राशिद लतीफ जैसे पूर्व दिग्गज पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने भी रिजवान को कप्तान बनाए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। श्हारना मना हैश् शो पर इन तीनों ने कहा कि वह रिजवान को एक कप्तान के तौर पर नहीं देखते हैं। शहजाद ने तो टीम में गुटबाजी का भी आरोप लगाया और कहा कि सात-आठ खिलाड़ियों का एक ग्रुप है, जिसका बाबर और रिजवान हिस्सा हैं। ये आपस में फैसला करते हैं कि कौन कप्तान बनेगा। अगर कोई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिखता है तो वह उसे बाहर करने पर तुल जाते हैं। मलिक-हफीज और सना मीर की प्रतिक्रिया मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक ने भी पाकिस्तान की हार पर प्रतिक्रिया दी है। मलिक ने तो गाना गाया, श्दिल के अरमां आंसुओं में बह गएश्। इस शो में हफीज और मलिक के साथ सना मीर और शोएब अख्तर भी शामिल हुए। मलिक और हफीज ने कहा कि पाकिस्तान में टैलेंट की कमी नहीं है, बल्कि उन्हें कोई सही रास्ता दिखाने वाला नहीं है। हफीज और मलिक ने कहा कि पाकिस्तान टीम में प्लानिंग की कमी है। वहीं, सना मीर ने भी श्अब तो आदत सी है हमको ऐसे जीने में...श् गाया। सना मीर ने कहा- जब लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने दो विकेट पर 100 रन बना लिए थे।

मेरा काम बीच के ओवरों में स्पिनरों को संभालना था: कोहली

दुबई। भारत को पाकिस्तान के खिलाफ जीत दिलाने के बाद कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि उनका टीम में क्या रोल है और वह इसे पूरी निष्ठा के साथ निभाने की कोशिश करते हैं। भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत में विराट कोहली ने अहम योगदान दिया। उन्होंने 111 गेंद में 100 रन की नाबाद पारी खेली। यह विराट के वनडे करियर का 51वां शतक रहा। मैच के बाद कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी सफलता का राज खोला। उन्होंने बताया कि उनका टीम में क्या रोल है और वह इसे पूरी निष्ठा के साथ निभाने की कोशिश करते हैं। कोहली बने प्लेयर ऑफ द मैच भारत को पाकिस्तान के खिलाफ जीत दिलाने के बाद कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया। इस दौरान उन्होंने कहा, श्ईमानदारी से कहूं तो भारत को सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करवाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना अच्छा लगता है। एक ऐसे मैच में योगदान देना अच्छा लगता है जहां हमने रोहित को जल्दी खो दिया। हमें पिछले मैच में जो सीखा उसे समझ कर इस मैच में उसे लागू किया। मेरा काम स्पिनरों के खिलाफ बहुत अधिक जोखिम उठाए बिना बीच के ओवरों को नियंत्रित करना था। अंत में श्रेयस ने तेजी से बल्लेबाजी की और मुझे कुछ चौके भी मिले। इससे मुझे अपना सामान्य वनडे मैच खेलने का मौका मिला। मुझे अपने खेल की अच्छी समझ है। यह बाहरी शोर को दूर रखने, खुद पर भरोसा करने और अपनी ऊर्जा का ख्याल रखने के बारे में है।श् श्मेरा काम वर्तमान में रहना हैश् कोहली ने कहा, श्उम्मीदों में खींचा जाना बहुत आसान है। मेरा काम वर्तमान में रहना और टीम के लिए काम करना है। मेरे लिए मुख्य काम मैदान में अपना 100 प्रतिशत योगदान देना है। फिर भगवान अंततः आपको पुरस्कृत करते हैं। स्पष्टता होना महत्वपूर्ण है। यह समझना महत्वपूर्ण था कि जब गेंद पर गति हो तो आपको रन बनाने की आवश्यकता होती है, नहीं तो स्पिनर चीजों को नियंत्रित कर सकते हैं। शुभमन ने शाहीन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया और उनके खिलाफ रन बनाए। यही कारण है कि वह दुनिया का नंबर एक बल्लेबाज है। पावरप्ले में लगभग 60-70 रन बनाना जरूरी था या हम हमेशा खेल का पीछा करते रहते। फिर श्रेयस चौथे नंबर पर वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपना कौशल दिखा रहे हैं। उन्होंने भारत में भी अच्छा किया था और अब यहां भी अच्छा काम कर रहे हैं।श् श्एक हफ्ते का आराम अच्छा हैश् यह पूछे जाने पर कि अब एक हफ्ते तक कोई मैच नहीं हैं। इस पर कोहली ने कहा, श्ईमानदारी से कहूं तो 36 साल की उम्र में यह वास्तव में अच्छा लगता है। कुछ दिनों के लिए आराम करूंगा, क्योंकि हर मैच में इस तरह का प्रयास करने के लिए मुझे बहुत मेहनत करनी पड़ती है।श् कोहली का यह पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में चौथा शतक रहा। उन्हें इस टीम के खिलाफखेलना पसंद है। पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाने के लिए कोहली ने नेट्स में काफी पसीना बहाया था।

हार्दिक पंड्या ने कहा, मैंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है

भारत अभी चौंपियंस ट्रॉफी में भाग ले रहा है और हार्दिक ने कहा कि खिलाड़ियों का ध्यान अब एक और ट्रॉफी जीतने पर लगा है। उन्होंने कहा, ''अब नया साल है, एक नया टूर्नामेंट है और नई चुनौतियां हमारा इंतजार कर रहे हैं।

भारत के हरफनमौला हार्दिक पंड्या को लगता है कि पिछले साल वेस्टइंडीज में आईसीसी टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद उन्होंने अपने प्रशंसकों का दिल फिर से जीत लिया है। पंड्या को पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान नियुक्त किया गया था। वह गुजरात टाइटंस को छोड़कर वापस मुंबई की टीम से जुड़े थे। इसके बाद मुंबई इंडियंस के प्रशंसकों ने लगातार उनको निशाने पर रखा था। पंड्या ने हालांकि इस नकारात्मकता को पीछे छोड़कर अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत 2007 के बाद पहली बार इस प्रतियोगिता को जीतने में सफल रहा। पंड्या ने इस टूर्नामेंट में 144 रन बनाने के साथ 11 विकेट भी लिए। पंड्या ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए वीडियो में कहा, ''मेरे लिए जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैंने उन्हें (प्रशंसकों का दिल) वापस जीत लिया है।'' भारत अभी चौंपियंस ट्रॉफी में भाग ले रहा है और हार्दिक ने कहा कि खिलाड़ियों का ध्यान अब एक और ट्रॉफी जीतने पर लगा है। उन्होंने कहा, ''अब नया साल है, एक नया टूर्नामेंट है और नई चुनौतियां हमारा इंतजार कर रहे हैं। फिर से चौंपियन बनने की कवायद शुरू हो गई है।'' हार्दिक ने कहा, ''आज हम फिर से नई शुरुआत करने के लिए मैदान पर उतरेंगे। हम एक और दिन में एक और प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए उतरेंगे। चौंपियंस ट्रॉफी में एक और अध्याय हमारा इंतजार कर रहा है। इसलिए एक ऐसे मुकाबले के लिए तैयार हो जाइए जिसको किसी तरह के परिचय की जरूरत नहीं है।

हार के बाद भी प्वांइट्स टेबल में शीर्ष पर काबिज बेंगलूरु, मुंबई इंडियंस दूसरे नंबर पर पहुँची

विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन का 7वां मुकाबला रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस की टीम के बीच खेला गया। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में वैसे तो गत चौंपियन टीम आरसीबी का पलड़ा भारी माना जा रहा था, लेकिन हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें 4 विकेट से मात दी। इस मुकाबले से पहले आरसीबी की टीम ने मौजूदा सीजन में 2 मैच खेले थे और उन दोनों को अपने नाम करने में कामयाब रही थी। मुंबई इंडियंस की टीम ने उनके विजयी रथ को रोक दिया। हालांकि इस मैच में हार के बाद भी आरसीबी टेबल में पहले नंबर पर बरकरार रही। बेहतर नेट रनरेट के दम पर आरसीबी शीर्ष पर काबिज विमेंस प्रीमियर लीग की प्वाइंट्स टेबल 7 मैचों के बाद देखी जाए तो उसमें स्मृति मंधाना की कप्तानी में खेल रही रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की टीम पहले नंबर पर काबिज है, जिसमें उन्होंने अब तक खेले 3 मैचों में से 2 को अपने नाम किया है, वहीं उनका नेट रनरेट 0.835 का है। तो वहीं, दूसरे नंबर पर अब मुंबई इंडियंस की टीम है जिन्होंने भी 3 में से 2 मुकाबले जीते हैं, लेकिन आरसीबी के मुकाबले उनका नेट रनरेट बेहतर नहीं है। मुंबई इंडियंस के नेट रनरेट को लेकर बात की जाए तो वह 0.610 का है, तीसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है जिनके भी तीन मैचों में चार अंक हैं लेकिन उनका नेट रनरेट -0.544 का है। यूपी वॉरियर्स की टीम अंतिम पायदान पर अंतिम 2 पायदान पर गुजरात जाएंट्स और यूपी वॉरियर्स की टीम है, जिसमें गुजरात की टीम चौथे नंबर पर जिन्होंने अब तक तीन मैचों में से सिर्फएक को अपने नाम किया है और उनका नेट रनरेट -0.525 का है। इसके बाद अंतिम पायदान पर दीप्ति शर्मा की कप्तानी में खेल रही यूपी वॉरियर्स की टीम है जिन्होंने 2 मैच खेले हैं और दोनों में ही उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। यूपी वॉरियर्स का नेट रनरेट -0.495 का है।ॅच्स् 2025 का 8वां मुकाबला 22 फरवरी को दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्स की टीम के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

कोहली का एक ही तरह की गेंदबाजी पर आउट होना चिंता का विषय

नयी दिल्ली । सुनील गावस्कर का मानना है विराट कोहली का लगातार एक ही तरह से आउट होना भारत के लिए चिंता का विषय है जो 12 साल बाद चौंपियंस ट्रॉफी जीतने की कवायद में लगा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में 36 वर्षीय कोहली तेज गेंदबाजों की ऑफस्टंप से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। वह चौंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वनडे में कोहली को लगातार छह बार स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया है। वह इंग्लैंड के खिलाफहाल में वनडे श्रृंखला के दौरान लेग स्पिनर आदिल रशीद के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए थे। गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा, '' यह काफी हद तक इस वजह से है कि उनके बल्ले का फेस खुला रहता है। ऑस्ट्रेलिया में जब वह तेज गेंदबाजों का सामना कर रहे थे तब भी ऐसा हो रहा था।'' उन्होंने कहा, ''उनके बल्ले का फेस खुला रहता है और वह कवर में खेलने का प्रयास करते हैं। बल्ले का फेस खुला होने के कारण वह परेशानी में पड़ रहे हैं। उन्हें इस पर ध्यान देने की जरूरत है।'' कोहली बांग्लादेश के खिलाफकलाई के स्पिनर रिशाद हुसैन की गेंद को कट करने के प्रयास में बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच दे बैठे थे। गावस्कर ने कहा, ''रिशाद की टर्न लेती गेंद पर भी उनके बल्ले का फेस खुल गया था। उन्हें इस पर लगाम कसनी होगी। लेकिन अगर वह लगातार एक ही तरह की गेंदबाजी पर आउट हो रहे हैं तो यह थोड़ा चिंता का विषय है।'' कोहली ने वनडे विश्व कप 2023 में 11 मैच में 765 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद वह इस प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझते रहे हैं। उन्होंने इसके बाद वनडे में छह पारियों में 22.83 की औसत से केवल 137 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। टेस्ट क्रिकेट में भी 2024 से वह 11 मैच में केवल 440 रन बना पाए हैं। भारत को चौंपियंस ट्रॉफी में अपना अगला मैच रविवार को पाकिस्तान के खिलाफखेलना है।

बाजार में तेल की अधिकता से वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में कमी संभवः पुरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में तेल की अधिक आवक के कारण ईंधन की कीमतों में कमी आने की संभावना है, जिससे मुद्रास्फीति पर काबू पाने में मदद मिलेगी। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले नए प्रशासन के साथ संपर्क स्थापित कर लिया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के मोर्चे पर भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे। उनके अनुसार, भारत अर्जेंटीना सहित 40 देशों से तेल आयात करता है और चूंकि दुनिया में पर्याप्त तेल है, इसलिए तेल उत्पादक देश जो कटौती कर रहे हैं, उन्हें भी अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि तेल खरीद में डॉलर के इस्तेमाल को खत्म करने का कभी भी उद्देश्य नहीं था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'अधिकांश लेनदेन डॉलर में होते हैं और हमेशा से होते आए हैं। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, फ्रअमेरिका में, उन्होंने (ट्रंप ने) कहा, फ्रड्रिल, बेबी, ड्रिल।फ्र जो अधिक ड्रिलिंग करने और अधिक तेल निकालने का संकेत है। उन्होंने आधिकारिक रूप से कहा है।

ओसीए ने 2026 एशियाड के लिए ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम का विस्तार किया, भारत की पदक की उम्मीदें बढ़ीं

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने 2026 एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम में विस्तार करने का फैसला किया है और अब इसमें 11 खिताब दाव पर लगे होंगे जिससे भारत की पदक संभावनाओं को बढ़ावा मिला है।

हेनरी और गौड़ के दमदार प्रदर्शन से यूपी वारियर्स का इस सत्र में खुला खाता, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरू । चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के

रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19.3 ओवर में 144 रन ही बना सके। 21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (5) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे। वेस्टइंडीज की दाहिने हाथ की बल्लेबाज हेनरी ने अरूंधति रेड्डी को 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226०1 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226०8 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7९5289865,983917772 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।